● वर्ष-2
● अंक-251
रायपुर, रविवार
11 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 11 जून रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 13 जून मंगलवार को प्रकाशित होगा।

दीदी के लोकतंत्र पर दलों को नहीं भरोसा

बंगाल पंचायत चुनाव में नामांकन दाखिल करने के दूसरे दिन भी हिंसा जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के दूसरे दिन भी हिंसा जारी थी। विपक्षी पार्टियां भाजपा, कांग्रेस और सीपीआई(एम) ने आरोप लगाया कि उनके उम्मीदवारों को सत्तारूढ़ टीएमसी कार्यकर्ताओं और गुंडों द्वारा पर्चा जमा करने से रोका जा रहा है।

सत्तारूढ़ और विरोधी पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसा के मामले बांकुड़ा, पूर्वी और पश्चिमी मेदिनीपुर, बर्धमान और मुर्शिदाबाद जिलों में देखने को मिली। नामांकन के पहले दिन हिंसा के दौरान शुक्रवार को एक कांग्रेसी कार्यकर्ता की मौत हो गई थी, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव का महौल बना हुआ है। हत्या के बाद काग्रेस ने पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। राज्य चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा, %%हमने सभी घटनाओं की रिपोर्ट मांगी है और पुलिस को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा ने पंचायत चुनाव कराने के लिए केंद्रीय बलों की तत्काल तैनाती की मांग की। इस पर सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि विपक्ष हार के डर से बहाने ढूंढ रही है। डोमकल में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता के पास से पिस्तौल बरामद होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। मुर्शिदाबाद के

डोमकोल में विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि टीएमसी के गुंडे आग्नेयास्त्रों के साथ बीडीओ के दफ्तर के सामने घूम रहे थे। क्षेत्र में अशांति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के साथ नागरिक स्वंयसेवकों को लाठियों के साथ देखा गया है।

बीरभूम जिले के लाभपुर में भाजपा उम्मीदवारों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर धक्का-मुक्की करने का आरोप लगाया। बांकुड़ा के विष्णुपुर से भी ऐसी घटनाएं होने की सूचना मिली है, जहां सीपीआईएम उम्मीदवारों ने टीएमसी पर नामांकन पत्र दाखिल करने से रोकने का आरोप लगाया है।

भाजपा के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा-हमनें केंद्रीय बलों की तत्काल तैनाती की मांग की है। लेकिन राज्य चुनाव आयोग ने अभी तक हमारी दलीलें नहीं सुनी हैं।

उन्होंने कहा- पुलिस की वर्दी पहने नागरिक स्वयंसेवकों को अब नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया की निगरानी के लिए तैनात किया गया है। इससे सत्तारूढ़ दल के उपद्रवियों को खुली छूट मिल रही है। यह कानून का घोर उल्लंघन है।टीएमसी के राज्यसभा सदस्य और पार्टी प्रवक्ता शांतनु सेन ने कहा- बंगाल की जनता टीएमसी के साथ है भाजपा या कांग्रेस या सीपीआई(एम) के साथ नहीं। अगर विपक्ष चाहे तो संयुक्त राष्ट्र संघ से पंचायत चुनाव में शांति सेना की तैनाती की मांग कर सकता है।%

राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिंहा ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मुलाकात की। उन्होंने राज्य के पंचायत चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की तारीख बढ़ाने की मांगों और हिंसा की घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताया।

राजनीतिक दलों की मांग, पंचायत चुनाव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की हो तैनाती

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी और भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को एक चिट्ठी लिख कर मांग की है कि पंचायत चुनाव के दौरान राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती कराई जाए, ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए जा सकें।

कांग्रेस सांसद ने टीएमसी पर खून की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुर्शीदाबाद के खारग्राम में एक सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या हो गई थी। यह पंचायचत चुनाव के मद्देनजर ही हुआ। जिस व्यक्ति पर हत्या का आरोप था, उसे खारग्राम प्रशासन की ओर से सुरक्षा मिली थी, जिसके बाद इस हत्या को अंजाम दिया गया। हम इसके खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

अधीर रंजन की चिट्ठी में क्या?

कांग्रेस सांसद ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस को जो चिट्ठी लिखी है, उसमें कहा गया है कि मौजूदा समय में बंगाल में जंगलराज चल रहा है, जिसमें सत्तासीन पार्टी के कार्यकर्ता विपक्षी कार्यकर्ताओं का शैतानों की तरह शिकार कर रहे हैं। राज्य के हर गली-नुक्कड़ में अव्यवस्था का राज है। लोकतंत्र के आदर्शों को सत्ता पर काबिज पार्टी द्वारा कब्र में दफना दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में हमें डर है कि त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराना एक दूर की कौड़ी ही रह जाएगा। इसलिए हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इन चुनावों को केंद्रीय सुरक्षाबलों की निगरानी में कराया जाए। इस मामले में आपकी ओर से कदम उठाया जाना अपेक्षित है।

भाजपा नेता की चिट्ठी में क्या?

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद, डॉ सुकांत मजुमदार ने राज्यपाल को पत्र लिखकर राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था का आरोप लगाते हुए आगामी पंचायत चुनावों के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती का अनुरोध किया। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर राज्यपाल से मुलाकात भी की।

सुकांत मजूमदार ने लगाया आरोप

सुकांत मजूमदार ने कहा कि कल एक कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने सवाल किया कि अगर पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था बरकरार है, तो चुनाव नजदीक आने पर हत्याएं क्यों होती हैं? हमने पंचायत चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती के लिए राज्यपाल से अनुरोध किया है।

जल जीवन मिशन से बचाई जा सकती हैं चार लाख जिंदगियां

नई दिल्ली। अगर जल जीवन मिशन (जेजेएम) सभी ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के अपने लक्ष्य को पूरा करता है तो डायरिया से होने वाली लगभग चार लाख लोगों की जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। दिल्ली में शुक्रवार को भारत में विश्व स्वास्थ संगठन के प्रतिनिधि डॉ. रोडेरिको एच. आफ्रिन की ओर से जारी अध्ययन की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। आफ्रिन भारत में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि है। जेजेएम योजना के तहत 2024 तक देश के सभी साढ़े छह लाख गांवों में नल से जल की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

■ डब्ल्यूएचओ के अध्ययन में सामने आई जानकारी

डब्ल्यूएचओ के अध्ययन के अनुसार, जल जीवन मिशन से हर घर नल होने से जल जनित बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकेगा और गुणवत्तापूर्ण जल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। देश में जल जनित बीमारियां मौतों का बड़ा कारण हैं। सुरक्षित पेयजल से जल जनित रोगों बीमारियों से बचाव होगा। इससे हर साल लगभग 4 लाख डायरिया रोग से होने वाली मौतें रुकेंगी। भारत में 5 साल तक के बच्चों की मौतों का तीसरा बड़ा कारण डायरिया है और यह 13 फीसदी मौतों की वजह भी बनता है। लिहाजा इससे निपटने के लिए देश को दीर्घकालीन प्रयासों की जरूरत है।

जल जीवन मिशन का उद्देश्य

योजना का उद्देश्य राज्यों के उन ग्रामीण इलाको में पानी की सुविधा उपलब्ध करवाना है, जहां बढ़ती जनसंख्या के साथ पानी जैसी समस्या भी बढ़ती जा रही है। ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्र है, जहां लोगो को कई किलोमीटर दूर पैदल चल कर पानी लाना पड़ता है।

10 हजार करोड़ की होगी बचत

जेजेएम योजना से करोड़ो लोगों को अतिसार रोग से बचाया जा सकेगा। इससे दस हजार करोड़ तक की बचत होगी। महिलाओं को लगने वाले हर दिन के समय में 6.66 करोड़ घंटों बचत होगी। 2018 में भारत की कुल आबादी के 36 फीसदी और ग्रामीण आबादी के 44 फीसदी लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की पहुंच नहीं थी। उन्हें गुणवत्तापूर्ण पानी के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ती है।

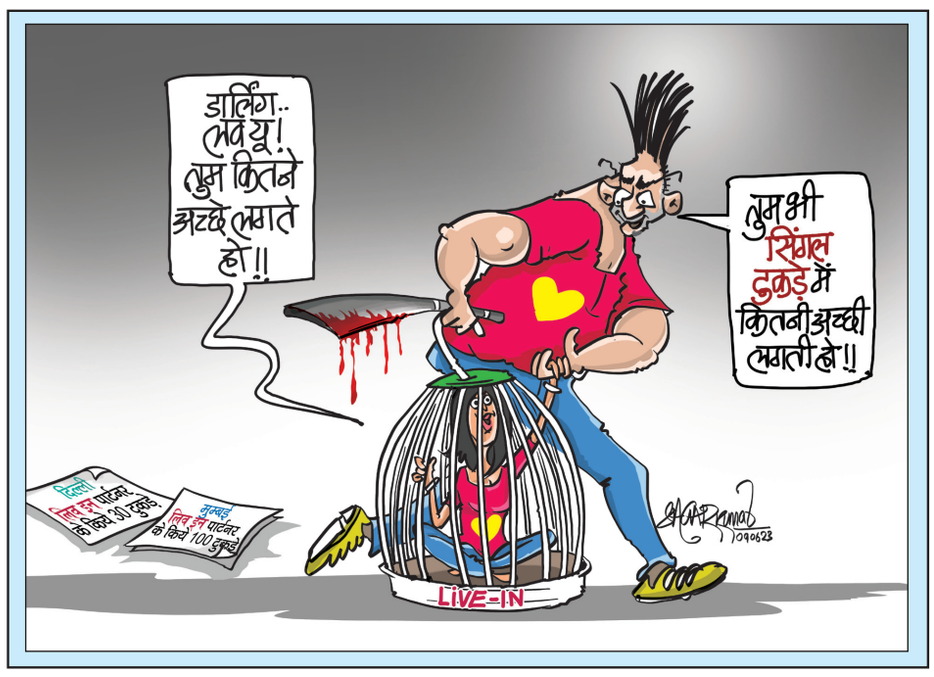

कम होगा श्वसन रोगों से मृत्यु का खतरा

नई दिल्ली। लोवर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन (एलआरआई) दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से है। आंकड़ों के मुताबिक साल 2016 में दुनियाभर में इसके कारण 2.38 मिलियन लोगों की मौत हुई। हालांकि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अब इस मृत्युदर को काफी कम किया जा सकेगा। लगभग 60 वर्षों के प्रयास के बाद, घातक श्वसन संक्रमण रेस्पिरेटरी सिंकिटियल वायरस या आरएसवी के लिए अब टीके उपलब्ध हैं। फूड एण्ड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने अमेरिका में पिछले महीने जीएसके कंपनी की एरेक्सवी और फाइडर की एब्रिस्वो वैक्सीन को मंजूरी दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल इन दोनों वैक्सीन को 60 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए मंजूरी दी गई है। इस आयुवर्ग वालों में श्वसन संक्रमण के

कारण मौत का खतरा अधिक रहा है। वैज्ञानिकों की टीम का कहना है कि हमें उम्मीद है कि ये टीके गंभीर श्वसन रोगों और इसके कारण होने वाली मृत्युदर को कम करने में मददगार हो सकते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में 1 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में आरएसवी वायरस के कारण ब्रोंकियोलाइटिस (फेफड़ों में छोटे वायुमार्ग की सूजन) और निमोनिया (फेफड़ों का संक्रमण) का सबसे ज्यादा जोखिम देखा जाता रहा है। इसी माह 21 जून को सीडीसी की एक बैठक है जिसमें टीकों की उपलब्धता को लेकर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। नेशनल फाउंडेशन फॉर इंफेक्शियस डिजीज के मेडिकल डायरेक्टर विलियम शेफ़नर कहते हैं, ये टीके किसी वरदान से कम नहीं हैं। इससे हर साल होने वाली मृत्युदर में काफी कमी आने की उम्मीद है।

एरेक्सवी वैक्सीन असरदार

जीएसके (ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन) के टीके एरेक्सवी को मंजूरी मिलने से पहले इसे 60 साल और इससे अधिक उम्र के लोगों पर सिंगल डोज वैक्सीन के तौर पर इस्तेमाल किया गया था। तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षण में 12,500 लोगों को एरेक्सवी और इतने ही लोगों को प्लेसिबो दिया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ये टीके आरएसवी वायरस के कारण होने वाले लोवर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट डिजीज के जोखिम को 82.6त्न और गंभीर बीमारी होने के जोखिम को 94.1त्न तक कम कर सकते हैं।

एब्रिस्वो वैक्सीन की प्रभाविकता

इसी प्रकार फाइजर के एब्रिस्वो को भी नैदानिक परीक्षणों में कई प्रकार से लाभकारी पाया गया है। 17,000 लोगों पर वैक्सीन और प्लेसबो के साथ किए गए अध्ययन में इसके भी बेहतर परिणाम देखे गए। इन टीकों को दो या अधिक लक्षणों वाले लोवर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट डिजीज पर 66.7त्न और तीन या अधिक लक्षणों पर 85.7त्न तक प्रभावी पाया गया। यह आरएसवी से जुड़े अक्यूट रेस्पिरेटरी डिजीज के जोखिम को 62 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

प्रमुख समाचार

30 जून के बाद खुलेगा मनाली-किरतपुर फोरलेन : अनुराग

हमीरपुर। हिमाचल में बन रहे मनाली फोरलेन मार्ग किरतपुर नेरचौंक सेक्शन को 30 जून के बाद लोगों की सुविधा के लिए खोल दिया जाएगा। इसका ट्रायल चल रहा है। यह बात केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि ऊना से आगे रेल लाइन के लिए हिमाचल सरकार का हिस्सा नहीं आ रहा है जिस कारण कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। 1000 करोड़ आवंटित कर दिया गया है। 48 किलोमीटर भूमि अधिग्रहण कर ली गई है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर जिस तरह विपक्ष की बैठकें हो रही हैं विपक्ष एकता की दुहाई दे रहा है लेकिन वह बिहार के पुल की तरह धराशाई हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता के बीच भाजपा अपनी केंद्र सरकार की उपलब्धियों को लेकर जाएगी। राहुल गांधी को कोर्ट के फैसले के बाद सदस्यता से हटाया गया है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व भर में सबसे लोकप्रिय है।

कांग्रेस के लिए राजनीति व्यवसाय है: स्मृति ईरानी

अमेठी (उप्र)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने ''मुहब्बत की दुकान खोलने'' संबंधी राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर शनिवार को हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने ''दुकान खोलने की बात''शब्द का

प्रयोग करके यह साबित कर दिया है कि उसके लिए राजनीति एक व्यवसाय है और राष्ट्रनीति से उसका कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान दिए गए अपने उस नारे का जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह ''नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलेंगे।'' उन्होंने भाजपा की आलोचना करते हुए यह भी कहा था कि ''भारत समझ गया है कि जिस तरह की नफरत भाजपा समाज में फैला रही है, उससे वह आगे नहीं बढ़ सकता।'' ईरानी ने 'मुहब्बत की दुकान' टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर पत्रकारों से कहा, कांग्रेस के जो भी कार्यकर्ता दुकान खोलने की बात कर रहे हैं।

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ महारैली : आम आदमी पार्टी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण संबंधी केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ रविवार को यहां रामलीला मैदान में महारैली करेगी, जिसमें एक लाख लोगों के

शामिल होने की संभावना है। पार्टी की एक प्रवक्ता ने यह दावा किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ सौरभ भारद्वाज, आतिशी और संजय सिंह सहित पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं के कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। आप की प्रवक्ता रीना गुप्ता ने कहा कि रैली में एक लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। गुप्ता ने कहा, ''हमने व्यापक अभियान चलाया है, लोगों से संपर्क कर उन्हें अध्यादेश के बारे में बताया है कि यह उनके दैनिक जीवन को कैसे प्रभावित करेगा।'' गुप्ता ने कहा, ''दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल को तीन बार चुना है।

8 साल की उम्र में हासिल किया 8 विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आठ वर्ष का बच्चा है सोनीपत का रहने वाला मार्टिन, जिसने सिर्फ आठ वर्ष की उम्र में खास उपलब्धि हासिल की है। उसके पास आज आठ वर्ल्ड रिकॉर्ड है। मार्टिन ने ये उपलब्धि किक बॉक्सिंग में हासिल की है। पंचिंग बेड पर 3

मिनट में 918 पंच करने का रिकॉर्ड बनाया जा चुका है। इस रिकॉर्ड को रूस के 20 वर्षीय पावेल ने बनाया था मगर मार्टिन ने सिर्फ आठ वर्ष की छोटी सी उम्र में ही इस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। मार्टिन ने तीन मिनट में 1700 बार पंच मारे और इस रिकॉर्ड को बनाया है। उसकी इस शानदार उपलब्धि और वर्ल्ड रिकॉर्ड को देखते हुए उसे लंदन के पार्लियामेंट से सम्मानित किया गया है। लॉकडाउन के दौरान ही मार्टिन ने किक बॉक्सिंग सिखना शुरू किया। उस समय मार्टिन की उम्र महज साढ़े छह साल की थी। उसने इस दौरान रोज इसकी प्रैक्टिस की।

हिन्दू धर्म में आस्था के चलते मुस्लिम युवक की जान संकट में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कानपुर में रहने वाले एक मुस्लिम युवक को अपने घर में देवी-देवताओं की मूर्तियां रखने के कारण जान के लाले पड़ गए हैं। उसे

लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही है। युवक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सुरक्षा मांगी है। मुस्लिम युवक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से खुद के सनातन धर्म अपनाने की गुहार लगाते हुए कहा है कि योगी जी मुझे सनातन धर्म में शामिल करा दीजिए। इन पापियों से मुझे बचा लीजिए। दरअसल जुनैद अपने घर में भगवान की प्रतिमाएं रखकर पूजापाठ करते हैं। इसके साथ ही भगवा वस्त्र पहनकर मंदिर जाते हैं। यह बात कुछ कट्टरपंथियों को रास नहीं आ रही है। मामला कानपुर के बाबूपुरवा कोतवाली क्षेत्र स्थित खटिकाना में रहने वाले जुनैद के साथ जुड़ा हुआ हैं। जुनैद की मां रानी बेगम ने बताया कि जुनैद जब छोटा था, तो उसकी आंखों की रोशनी चली गई थी।

सचिन पायलट के जीवन में अहम है 11 तारीख, बगावत, अनशन और पैदल यात्रा इसी दिन से शुरू की

सचिन के निर्णय को लेकर दौसा की श्रद्धांजलि सभा पर निगाहें टिकी

राहुल संपाल

किसानों के मसीहा के रूप में पहचाने जाने वाले दिवंगत कांग्रेस नेता राजेश पायलट की 11 जून को पुण्यतिथि है। इसी दिन हर साल दौसा के भडाणा गांव में एक भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होता है। लेकिन रविवार यानी कल होने वाली इस सभा पर हर किसी निगाहें टिकी हुई हैं। क्योंकि हर कोई यह जानना चाहता है कि सचिन पायलट अपनी पिता की पुण्यतिथि वाले दिन क्या अहम एलान करने जा रहे हैं। क्योंकि पिछले कई दिनों से प्रदेश की सियासत में सचिन पायलट के भविष्य को लेकर चर्चाओं का बाज़ार गर्म है। उनकी नई पार्टी बनाने की संभावित घोषणा को लेकर राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक में बहस छिड़ी हुई है। हालांकि इन सभी पर पायलट ने चुप्पी साध रखी है। उधर, राजधानी दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान आश्वस्त है कि पायलट उनका साथ छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। ऐसे में राजस्थान के लोगों यह जानने के लिए बेताब है कि आखिर 11 जून को सचिन क्या करने जा रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता रहे राजेश पायलट के बेटे और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पिछले साढ़े चार से कांग्रेस पार्टी और अशोक गहलोत सरकार से नाराज चल रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी और अहम वजह एक है कि प्रदेश में

भाजपा शासन के दौरान विपक्षी दल के प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए सचिन ने जी-जान लगाकर मेहनत की। कांग्रेस राज्य की सत्ता तक पहुंचने में कामयाब रही, लेकिन उन्हें प्रदेश का सीएम नहीं बनाते हुए डिप्टी सीएम बना दिया गया है। खुद पायलट और उनके समर्थकों को पूरा विश्वास था कि मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हें ही मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।इसके बाद से लगातार पायलट प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर कई बार हाईकमान को अपने बगावती तेवर दिखा चुके हैं। लेकिन हाईकमान ने कोई कदम नहीं उठाया। यहीं नहीं सीएम गहलोत और पायलट के बीच आए दिन जुबानी जंग भी देखने को मिलती है। हाल ही में विधानसभा चुनाव को नजदीक देखते हुए दिल्ली दरबार ने एक बार फिर दोनों के बीच सुलह होने का दावा किया है। लेकिन आज तक सचिन की उठाई मांगों पर न तो कांग्रेस हाईकमान ने कोई फैसला लिया है न ही प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार ने। यही कारण है कि पिता की पुण्यतिथि वाले दिन पायलट क्या फैसला लेते हैं, इस पर सबकी नजर टिकी हुई हैं।

राजस्थान के वरिष्ठ पत्रकार संदीप दहिया कहते हैं कि पायलट के पिता राजेश पायलट कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे हैं। राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर 11 जून को दौसा में हर साल कार्यक्रम होता है। इस कार्यक्रम में हर साल करीब 3000 लोग शामिल होते हैं। लेकिन इस बार का कार्यक्रम सचिन पायलट के पार्टी के खिलाफ बगावती तेवरों के चलते चर्चा में है। संभावना है कि इस कार्यक्रम में 5 से 7 हजार लोग शामिल हों। क्योंकि पायलट के समर्थक जो इस विधानसभा चुनाव में टिकट चाहते हैं, वह भी चुनावी साल में अपने नेता के सामने अपनी ताकत का अहसास कराने से नहीं चुकेंगे। यहीं नहीं 11 तारीख पायलट के लिए काफी अहम है। बीते दिनों के कई कार्यक्रमों पर अगर नजर डालें, तो सामने आएगा कि हर बड़ा आंदोलन पायलट ने 11 तारीख से ही शुरू किया है। 11 जून के कार्यक्रम की रूपरेखा वे 11 अप्रैल से ही तैयार कर रहे थे। यही वजह है कि 11 मई को उन्होंने यात्रा निकाली। लेकिन अगर रविवार को कोई वे कोई फैसला नहीं लेते हैं, तो फिर यह बात साफ हो जाएगी कि पायलट कांग्रेस में रहकर ही चुनाव लड़ेंगे। हालांकि उनकी मांगों को लेकर उनका क्या रुख रहेगा यह फिर देखने लायक होगा।

इसलिए महत्वपूर्ण है 11 का आंकड़ा

तीन साल पहले 11 जून 2020 को सचिन पायलट और उनके समर्थकों ने गहलोत सरकार के खिलाफ बगावत का निर्णय लिया था। इसी दिन बगावत करना तय था, लेकिन इसकी भनक गहलोत गुट को लग गई थी। ऐसे में ठीक एक महीने बाद 11 जुलाई सचिन पायलट और उनके समर्थित विधायक राजस्थान की सीमा से बाहर गुमनाम स्थान पर चले गए। अगले दिन पता चला कि सचिन पायलट गुट के नेता राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन की मांग करते हुए मानेसर होटल में पहुंच गए। गहलोत सरकार गिरने की कगार पर आ गई थी। इधर, सीएम गहलोत को भी सरकार बचाने के लिए विधायकों की बाड़ेबंदी करनी पड़ी।

वरिष्ठ जनों के आशीर्वाद से आज देश में राष्ट्रवादियों की सरकार है : चंदुलाल

आमदी मे हुआ भाजपा का वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से परिचर्चा कार्यक्रम, केवल भाजपा मे होता है वरिष्ठों का सम्मान : नीलकंठ

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के स्वर्णिम 9 वर्ष पूर्ण होने पर शुक्रवार को धमतरी विधानसभा के आमदी नगर में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित हुआ । इस कार्यक्रम मे धमतरी विधानसभा के सभी 4 मंडलों से सैकड़ों की संख्या मे वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप मे पूर्व सांसद चंदुलाल साहू ने वरिष्ठ जनों का अभिवादन करते हुए कहा कि वरिष्ठ जनों के अथक परिश्रम और आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि देश मे पिछले 9 साल से राष्ट्रवादियों की सरकार है और दूसरी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार केंद्र मे अपनी सेवा दे रही है । 2 सांसदो से अपनी यात्रा शुरू कर 303 का आंकड़ा भाजपा ने आप जैसे निस्वार्थ भाव से काम करने वाले कार्यकर्ताओं की बदौलत ही हासिल किया है । केन्द्र मे भाजपा के सत्ता मे आने के बाद अनेकों ऐसे काम हुए हैं जो पिछले 6-7 दशकों मे नही हो सके थे । देश की एकता अखंडता और आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि रख कर मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रमाणिकता के साथ काम किया है । राम मन्दिर, धारा 370 जैसे मुद्दे जो कभी एक सपने के जैसे थे वो धरातल पर पुरा होते देख कार्यकर्ताओं मे संतोष है और मोदी जी को कार्यकर्ताओं का भरपूर आशीर्वाद देश भर मे मिल रहा है । विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते अनेक मर्तबे संगठन और सत्ता मे बैठे लोगों से कुछ गलतियाँ भी होना अवश्यंभावी है परंतु भाजपा के आधार स्तंभ कहे जाने वाले वरिष्ठ जनों ने उदार मन से ऐसी गलतियों को क्षमा किया है और आगे भी ऐसे देवतुल्य कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन और सुझाव पार्टी के लिए अत्यंत आवश्यक है । इसी उम्मीद के साथ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने यह परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया है ताकि आगामी चुनावों के पहले गलतियों को सुधार कर पहले से भी अधिक जनता सहयोग और

समर्थन प्राप्त कर सके । सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक रंजना साहू ने सभी वरिष्ठ जनों का अभिनंदन करते हुए उनसे सुझाव मांगे जिसके परिणामस्वरूप जनता की अपेक्षा मे खरे उतर सके।

श्रीमती साहू ने कहा कि मोदी जी की सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर काम कर रही है । मोदी जी की सभी योजनाएं अंतिम पंक्ति मे बैठे व्यक्तियों के लिए ही होती है । सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के अपने मूल मंत्र के सेवा सुशासन और गरीब के कल्याण की दिशा मे कार्य कर रही है । वरिष्ठ जनों की ओर से आमदी नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष नीलकंठ साहू ने भाव विभोर होते हुए कहा कि देश मे केवल भाजपा इकलौती ऐसी पार्टी है जहाँ वरिष्ठों का सही मायने मे सम्मान होता है ।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा, हुलासराम साहू, भुनेश्व ंध्रुव, विनोद राव रणसिंह एवं खिलेश्वरी किरण आदि वरिष्ठों ने अपने विचार रखे। जिला महामंत्री कविन्द्र जैन ने महीने भर चलने वाले विशेष महा जनसंपर्क अभियान के तहत आगामी 11 तारीख को लोकसभा स्तरीय व्यापारी सम्मेलन एवं 12 जून को पुरानी मंडी प्रांगण मे विशाल लाभार्थी सम्मेलन मे सभी कार्यकर्ताओं को इष्ट मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या मे उपस्थिति की अपील करते हुए वरिष्ठ जनों को उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम का संचालन अमन राव ने किया तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के प्रभारी चेतन हिंदुजा ने किया । कार्यक्रम मे पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा, वरिष्ठ शिशुपाल महमल्ला, शिवप्रसाद साहू, सुखदेव साहू, असरु राम साहू, हेमनु राम पाड़े, प्रितेश गाँधी, डेनिस चंद्राकर, भागवत साहू, प्रकाश शर्मा, रोहित राम, अर्चना चौबे, सरला जैन, महेंद्र पंडित, रघुनंदन साहू, बालाराम साहू, ज्ञानचंद लुनावत, अरविंदर मुंडी, श्यामा साहू, बीथिका विश्वास, अंजलि दुबे, हेमंत माला, कन्हैया लाल साहू, रोहिताश मिश्रा, भगत यादव, विजय साहू, हेमंत चंद्राकर, उमेश साहू, मुरारी यदु, कोमल यदु, निलेश लुनिया, अखिलेश सोनकर, प्रीतम साहू, सुशीला तिवारी, विनय जैन, शरद चौबे, राकेश साहू, गौकरण साहू, जागेश्वरी साहू, नम्रता माला, अनिता यादव, अनिता अग्रवाल, प्रीति कुंभकार, ज्योति साहू, विजय ठाकुर, मुकेश शर्मा, आंनद स्वरूप मेश्राम, केशव साहू, जितेंद्र पटेल, किशोर कुंभकार, देवेश साहू, पवित्रा दुबे, चंद्रकला पटेल, नील पटेल, शिवदत्त उपाध्याय, संतोष तेजवानी, राकेश चंदवानी, तेजराम साहू, नारायण सोनकर, महिपाल साहू, अशोक साहू सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

राजस्व पटवारी संघ: हड़ताली पटवारियों ने एस्मा के आदेश प्रतियां जलाकर किया विरोध

कोरबा। छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ के तत्वावधान में जिले पटवारी पिछले 23 दिन से आठ सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हैं। तानसेन चौक में बैठे हड़तालियों ने उन पर शासन की ओर से लगाए गए एस्मा के आदेश की प्रतियां जलाकर विरोध किया। अनिश्चत कालीन हड़ताल पर बैठे पटवारियों ने कहा कि बिना सूचना दिए एस्मा लगाना उन पर मानसिक प्रताड़ना की श्रेणी में आता है। आंदोलन को कुचलने के प्रयास को हम सफल होने नहीं देंगे।

जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष शिवलाल भगत ने सरकार के इस दमनात्मक आदेश की निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सभी समाजए संगठन को अपनी अपनी बात रखने का अधिकार है। शासन को आंदोलन के पहले सूचित किया गया। सरकार सकारात्मक होती तो आंदोलन के पूर्व संगठन से चर्चा कर समाधान निकाल लेती, लेकिन पटवारी संघ के साथ चर्चा नहीं की। 23 दिनों से चल रहे आंदोलन के दौरान चर्चा कर समस्याओं का समाधान करने का प्रयास नहीं किया। उन्होने कहा कि जब राज्य की जनता परेशान होने लगी तो कर्मचारियों की मांगों पर समाधान करने के बजाय उन्हें एस्मा लगाकर आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है इससे कर्मचारियों की मांगों पर कुठाराघात हुआ है। भगत ने कहा कि राजस्व पटवारी संघ की मांगों पर शासन सहानुभूति पूर्वक विचार कर उनकी मांगों को पूरा करे। बताना होगा पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने राजस्व संबंधित समस्याओं का निराकरण नहीं हो रही है।

ये है पटवारियों की मांगें:- वेतन विसंगतियों केा दूर करते हुए ग्रेड पे 2800 रूपये किया जाए। राजस्व निरीक्षक पद पर वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति किया जाए। संसाधन व नेट भत्ता दिया जाए। मंहगाई के अनुरूप स्टेशनरी भत्ता दिया जाए। अतिरिक्त हल्के के प्रभार का मानदेय में वृद्धि किया जाए। पटवारी भर्ती के योग्यता स्नातक किया जाए। मुख्यालय निवास की बाध्यता समाप्त किया जाए। बिना विभागीय जांच के एफआइआर दर्ज न किया जाए।

आंदोलन में बैठे पटवारियों ने किया एस्मा का विरोध, सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई

जगदलपुर। बस्तर सहित प्रदेश भर में पटवारियों के द्वारा 8 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल की जा रही है, पटवारियों की हड़ताल पर एस्मा लागू किए जाने का विरोध करते हुए शुक्रवार को जगदलपुर के कलेक्ट्रेट चौक में एस्मा आदेश की प्रतियां जलाते हुए पटवारियों ने प्रदर्शन किया। बता दें कि छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ के बैनर तले 15 मई से 8 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश भर में पटवारियों के द्वारा हड़ताल की जा रही है। इसी बीच पटवारियों से जुड़ी अति आवश्यक सेवाएं बाधित होने के कारण प्रदेश सरकार ने एस्मा लगा दिया है जो 3 महीने तक के लिए रहेगा। एस्मा का विरोध करते हुए शुक्रवार को जगदलपुर में पटवारी संघ और कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के द्वारा संयुक्त रूप से प्रदर्शन करते हुए एस्मा की प्रतियां जलाई गई। छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के पदाधिकारियों का कहना है कि राज्य सरकार चाहे तो पटवारी संघ से उनकी मांगों को लेकर चर्चा कर सकती है, लेकिन प्रदेश सरकार ने हड़ताल को दबाने का प्रयास किया है इसलिए एस्मा का विरोध किया जा रहा है।

कांग्रेस के जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आज, आएंगी शैलजा

■ **विद्याचरण की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यालय में होगा कार्यक्रम**

कोरबा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डा चरणदास महंत, प्रभारी मंत्री डा प्रेमसाय सिंह टेकाम, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, सांसद ज्योत्सना महंत 11 जून को कोरबा प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण द्वारा जिला स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन राजीव गांधी आडिटोरियम इंदिरा स्टेडियम ट्रांसपोर्ट नगर में शाम पांच बजे से आयोजित किया गया है।

राजस्व मंत्री, विधायक पुरूषोत्तम कंवर, मोहितराम केरकेट्टा, पूर्व विधायक बोधराम कंवर, श्यामलाल कंवर समेत जिला कांग्रेस शहर एवं ग्रामीण, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्यों, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयुआई, कांग्रेस सेवादल, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, पार्षद, नगर पालिका, नगर पंचायत के सभी प्रतिनिधि कांग्रेस के विभिन्न मोर्चा संगठन के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल एवं शहर अध्यक्ष सपना चौहान ने सभी कांग्रेस परिवार के सदस्यों से समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होने कहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष जायसवाल ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस प्रभारी शैलजा 11 जून को शाम चार बजे हेलीकाप्टर से इंदिरा स्टेडियम पहुंचेगी, जहां कांग्रेसजन उनका स्वागत करेंगे। तत्पश्चात यहां से नवनिर्मित राममंदिर दरबार जाएंगी। वहां से लौटने के बाद इंदिरा स्टेडियम स्थित राजीव गांधी आडिटोरियम भवन पहुंचकर जिला स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगी। बलिदान विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि कार्यक्रम 11 जून को सुबह 11 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा में आयोजित किया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सपना चौहान ने जिले के सभी कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को समय पर पहुंचने कहा है।

एनएसयूआई बेलर ब्लॉक कार्यकारिणी की बैठक हुई

नगरी। एनएसयूआई द्वारा चलाये जा रहे छात्र जोड़ो संवाद जिले के आखिरी ब्लॉक बेलर में शुरू हुआ है। बिरगुड़ी विश्राम गृह में एनएसयूआई बेलर की कार्यकारिणी का बैठक लेने जिलाध्यक्ष राजा देवांगन पहुँचे।

इस बैठक में सिहावा विधायक लक्ष्मी ध्रुव विषेश अतिथि के रूप में उपस्थित रही । सिहावा विधायक लक्ष्मी ध्रुव ने कार्यकर्ताओं से सरकार के विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया और एनएसयूआई की प्रशंसा करते हुये कहा ऐसे ही निरन्तर छात्र हित जन हित मे कार्य करते रहे ।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र जोड़ो संवाद का उद्देश्य भुपेश बघेल द्वारा किये जा रहे कार्य, योजनाओ को अंतिम छोर के छात्र व आम जन तक पहुंचाना है ,ब्लॉक पदाधिकारियों को जोन व सेक्टर स्तर पर प्रभारी बनाया गया है।

धमतरी विधानसभा के ग्राम पंचायत मड़ईभाठा, मोखा, बागतरई में प्रदेश सचिव पारस मनी साहू के नेतृत्व में ग्राम इकाई गठित किया गया ।

कुरूद विधानसभा के भखारा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरैना में बड़ी संख्या में छात्र व युवाओं ने एनएसयूआई की सदस्यता ली। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लोकेश साहू व ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ पाल के नेतृत्व में छात्र जोड़ो संवाद सम्पन्न हुआ।

बेलर के कार्यकारिणी बैठक में पीसीसी सदस्य लखन लाल ध्रुव, विधायक प्रतिनिधि बेलर अखूतर खान, यश दुबे, दिव्यांश टांडे, प्रमोद कुंजाम,प्रेमांशु प्रजापति,पूरन सोनी, अरविंद यादव,विक्की देवांगन, सुफ्यिान खान,प्रिंस यादव, विवेक बंजारे, लक्ष्य बंजारे, गुलशन देवांगन सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का प्रथम स्तरीय जांच शुरू

कांकेर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए आज से ई.सी.आई.एल. के इंजीनियरों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का प्रथम स्तरीय जांच शुरू की गई, जो 27 जून तक चलेगा। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के प्रथम स्तरीय जांच के लिए वेयर हाउस एवं व्ही.व्ही.पैट के वेयर हाउस को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला तथा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की उपस्थिति में आज प्रातः 09 बजे खोला गया। इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि सुनील गोस्वामी, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि राजेन्द्र गौर एवं बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि अजय करायत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार मारबल, एसडीएम कांकेर मनीष साहू, डिप्टी कलेक्टर हर्षलता वर्मा, नायब तहसीलदार कांकेर उमाकांत जायसवाल सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

त्रिस्तरीय पंचायती उप चुनाव नाम वापसी की तिथि 12 जून

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों का आम व उप निर्वाचन अंतर्गत नाम निर्देशन पत्र 9 जून को स्वीकार के बाद अभ्यर्थिता से नाम वापसी की अंतिम तिथि 12 जून 2023 को अपरान्ह 3 बजे तक है। साथ ही उसी दिन नाम वापसी के बाद निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन किया जाएगा। प्रतीक आबंटन के तुरंत बाद 12 जून को ही निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन भी किया जाएगा। मतदान (यदि आवश्यक हुआ) 27 जून 2023 को सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिले के सारंगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत दुर्गापाली, बरभांठा (अ) और टिमरलगा में सरपंच, खुडुभांठा के वार्ड 2 और मुड़वाभांठा के वार्ड 15 में पंच, बरमकेला जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत बारादावन में सरपंच और कोकबहाल के वार्ड 14 में पंच पद के लिए निर्वाचन किया जाएगा।

भोजन और पानी की तलाश में गांव तक पहुंच रहे भालू

कांकेर। छत्तीसगढ़ का कांकेर शहर भालुओं के शहर के नाम से इन दिनों मशहूर हो रहा है। पिछले कुछ महीनों से लगातार भालुओं का झुंड पहाड़ी क्षेत्र और जंगलों से बाहर निकलकर शहर की ओर कूच कर रहा है और हर रोज मोहल्ले और मुख्य सड़कों में भालुओं का झुंड देखा जा रहा है। यहां आए दिन जंगली जानवर रिहायशी इलाके का रुख करने लगे हैं। इसी क्रम में एक बार फिर सुबह-सुबह भालू भोजन की तलाश में जंगल से भटक कर कांकेर वन परिक्षेत्र के रामनगर में स्थित अभयारण्य में पंहुचा गया और घूम रहा था। जंगलों में भालू और जंगली जानवरों के खाने-पीने वन संरक्षण संवर्धन के लिए जामवंत परियोजना चलाई गई थी। लेकिन वह योजना भी फेल हो चुकी है, जिससे जंगली जानवर जंगलों से भटककर रिहायशी इलाके में पहुंच रहे हैं। भालू कभी खुद दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं तो कभी लोगों को भी नुकसान पहुंचाते है। जामवंत परियोजना में न प्यास बुझाने के लिए पानी है और न भूख मिटाने के लिए भोजन। वन विभाग की लापरवाही से रोजाना भालू शहर की तरफ आ रहे है।

200 एमएल की पानी बोतले भी रहेंगी पूर्णतः प्रतिबंधित

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत संचालित बैक्वेट हाल, टेंट हाउस, केटरिंग सर्विस आदि में भी 3-आर. प्रिंसिपल का सिद्धांत कड़ाई के साथ लागू किया गया है, इसके साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक, डिस्पोजल आदि के साथ-साथ 200 एम.एल. तक की क्षमता वाली पानी की बोतलों का उपयोग भी पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा तथा इसका उल्लंघन होने पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के संदर्भ में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार नगरीय निकाय क्षेत्रों में स्थित बैक्वेट हाल, टेंट हाउस, केटरिंग सर्विस आदि में भी 3-आर. प्रिंसिपल सिद्धांत लागू करते हुए पुनः उपयोग होने वाले केटलरी बर्तन के उपयोग के साथ-साथ 200 मिलीलीटर तक की क्षमता वाली बोतल का उपयोग बंद किया गया है। इनका उपयोग करते पाये जाने पर निगम द्वारा संबंधित के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के मद्देनजर इसका पालन अत्यंत आवश्यक है।

पीएम आवास पाकर मैं और मेरा परिवार खुश हैं : तिलक

सूरजपुर। यह कहानी है जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर पर स्थित ग्राम पंचायत दवना के तिलक राम, जाती कुम्हार, वर्ग पिछड़ा वर्ग, मोहल्ला बईगापारा, ग्राम पंचायत दवना विकासखंड रामानुजनगर निवासी। हमने कभी नहीं सोचा था कि हम लोगों कभी पक्के का मकान बना पाएंगे, परंतु प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत् आवास प्राप्ति पर मैं और मेरा परिवार बहुत खुश है। पहले कच्चे के टूटे-फूटे मकान के 2 कमरे में, मैं स्वयं, मेरी धर्मपत्नी, 2 बेटा, 2 बहू एवं 4 बच्चे कुल 10 सदस्य रहा करते थे। पुराने कच्चे के टूटे-फूटे एवं दीवार में दरार युक्त मकान में मेरा पूरा परिवार गुजारा करते थे। परिवार बड़ा होने के कारण हम सभी को कठिनाई का सामना करना पड़ता था। मैं मिट्टी से बर्तन बनाकर बेचकर एवं कृषि कार्य कर अपने परिवार के साथ जीवन-यापन करता हूं। परंतु इतना पैसा इकट्ठा नहीं कर पाता था, कि मैं अपने परिवार के लिए पक्के का मकान बना पाऊं। तभी मुझे सचिव के द्वारा यह जानकारी दी गई कि आपके नाम पर आवास स्वीकृत हुआ है।

जीएसटी बिल में खरीदी के बाद आइटीसी अस्वीकृत करना उचित नहीं : खेतान

कोरबा। जिला चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज कोरबा ने मंगलवार को चेंबर भवन डीडीएम रोड में टैक्स बार एसोसिएशन कोरबा के साथ जीएसटी कार्यशाला का आयोजन किया। स्टेट जीएसटी कोरबा से डिप्टी कमिश्नर श्वेता यादव, असिस्टेंट कमिश्नर सर्किल.एक संदीप साय एवं असिस्टेंट कमिश्नर सर्किल.दो मनहरण लाल निर्मलकर के साथ जिला चेंबर आफ कामर्स कोरबा के अध्यक्ष योगेश जैन, टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सी, आशीष खेतान, जिला चेंबर आफकामर्स के कोषाध्यक्ष ओमी रमानी एवं टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव अंकित अग्रवाल मंच पर आसीन थे।

योगेश जैन ने कहा कि जब से बोगस रजिस्ट्रेशन के सर्वे की बात आयी है, ऐसा लगने लगा था कि इंस्पेक्टर राज की वापसी हो गई है। शुरूआत में बहुत पेनिक स्थिति लग रही थी, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य

हो गई। इस कार्यशाला के माध्यम से व्यापारियों के मन में कोई भी सवाल होगा तो स्टेट जीएसटी के सारे वरिष्ठ अधिकारी यहां उपस्थित हैं, उनकी शंका का निराकरण त्वरित हो जायेगा। तत्पश्चात टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए आशीष खेतान ने कहा कि हम तो व्यापारी और अधिकारियों के बीच की कड़ी है। अधिकांश केस में तो व्यापारी, अधिकारियों से रूबरू भी नहीं होते हैं। आइटीसी को अस्वीकृत करने के संदर्भ में सीए खेतान ने कहा कि इसमें व्यापारी की क्या ग़लती। जीएसटी बिल में खरीदी के पश्चात व्यापारी का आइटीसी अस्वीकृत करना उचित नहीं है। डिप्टी कमिश्नर श्वेता यादव ने कहा कि हम चाहते हैं कि कोई भी व्यापारी भयभीत न हो। अभी जो ड्राइव हो रही है उसमें सिर्फ और सिर्फ बोगस रजिस्ट्रेशन वालों को ही टारगेट किया जा रहा है। इस सर्वे के लिए हमारे अधिकारी खरीदी एवं बिक्री के दस्तावेज भी नहीं मांगेंगे। हम आपकी सारी समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर तैयार है।अधिकारियों के उद्बोधन के पश्चात सवाल जवाब का राउंड हुआ। संचालन पूर्व सचिव युनुस मेमन और आभार जिला चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के कोषाध्यक्ष ओमी रमानी ने किया। बाद में चर्चा करते हुए डिप्टी कमिश्नर श्वेता ने कहा कि हर दो महीने में जनसुनवाई का आयोजन हमारे आफिस में करेंगे जिसमें व्यापारियों की समस्याओं का तुरंत निदान का प्रयास करेंगे। जीएसटी कार्यशाला के तुरंत बाद ही स्टेट बैंक आफ इंडिया के एसएमई उत्सव मीट का आयोजन भी उसी मंच पर किया गया। जिसमें असिस्टेंट जनरल मैनेजर गोपा श्रीचंदन, चीफ मैनेजर प्रशांत राव घोरपड़े, रिलेशनशिप मैनेजर अरविंद कुमार, रिलेशनशिप मैनेजर राजेश बंजारे उपस्थित रहे। जिनका स्वागत जिला चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज कोरबा के अध्यक्ष योगेश जैन ने किया। बैंक के अधिकारियों ने व्यापारियों को लोन के बारे में विस्तार से बताया एवं बैंक लोन का जो बीमा बैंक द्वारा करवाया जाता हैए उसके फायदे के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई। अंत में व्यापारियों के सवालों का भी जवाब अधिकारियों ने दिया। बड़ी संख्या में व्यापारियों ने कार्यशाला में भाग लिया। असिस्टेंट कमिश्नर संदीप साय ने कहा कि आप और हम देश की प्रगति के लिए सहयोगी की भूमिका में हैं। पिछले माह भी 16,00,00 लाख रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ है।

महापौर ने निर्माणधीन आडिटोरियम का देखा कार्य

धमतरी। महापौर विजय देवांगन द्वारा शहर हित में करोड़ों रुपए की लागत से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं तथा उन कार्यों की प्रॉपर मॉनिटरिंग कर गुणवत्तापूर्ण कार्य भी करवाया जा रहा है। इसी क्रम में महापौर विजय देवांगन व आयुक्त विनय कुमार बुधवार को ऑडिटोरियम निर्माण धीन कार्य को देखने पहुंचे,जहा उन्होंने निर्माण की गति देख असंतुष्ट दिखाई।

गौरतलब है निर्माण कार्य लगभग 60% कार्य पूर्ण हो चुका है शेड व प्लास्टर का कार्य प्रगति पर है,महापौर ने ठेकेदार को शख्त हिदायत देते हुए कहा कि बचे निर्माण कार्य को जल्द ही पूर्ण करे ताकि लोगों को ऑडिटोरियम का लाभ मिल सके।

ऑडिटोरियम निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात ऑडिटोरियम में इंटीरियर डिजाइनिंग,साउंड सिस्टम,सीटिंग अरेंजमेंट ,लाइटिंग जैसे अन्य कार्य होना प्रस्तावित है जिसके लिए महापौर ने जल्द ही निविदा आमंत्रण करने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया है। ज्ञात हो कि ऑडिटोरियम परिसर में निगम के आय स्त्रोत बढ़ाने के लिए 14 दुकाने बनाया जायेगा,जिसको लेकर महापौर ने अट्रैक्टिव कॉम्प्लेक्स स्ट्रक्चर बनाने का निर्देश देते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ करते हुए इच्छुक व्यक्तियों को आवंटन हेतु निविदा आमंत्रण करने की प्रक्रिया पूर्ण करने कहा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

खड़गे व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर : भाजपा

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सदानंद गौड़ा और राज्य के तीन अन्य भाजपा सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक पत्र लिखा है। इस पत्र के जरिए भाजपा नेताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे पर उनके ओडिशा ट्रेन दुर्घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र पर पलटवार किया है। भाजपा नेताओं ने खड़गे के पत्र को उच्च बयानबाजी और कम तथ्य वाला बताया और कहा कि मैसूर में कोई टकराव नहीं था जैसा कि आपके पत्र में कहा गया है। आपके कद के नेता को यह शोभा नहीं देता कि आप व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से मिले तथ्यों के आधार पर प्रधानमंत्री को पत्र लिखें। भाजपा नेताओं ने तंज कसते हुए कहा कि शायद व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर के रूप में, आपको फेक न्यूज को तथ्यों के रूप में फिर से गढ़ने के लिए मजबूर किया। गौड़ा के अलावा, पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में सांसद तेजस्वी सूर्या, पीसी मोहन और एस मुनिस्वामी शामिल हैं।

सुप्रिया और प्रफुल्ल पटेल होंगे एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष

मुंबई। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया है। इसकी घोषणा खुद एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने की और सुप्रिया सुले को हरियाणा और पंजाब की जिम्मेदारी भी दी गई है। पवार ने 1999 में उनके और पीए संगमा द्वारा स्थापित पार्टी की 25वीं वर्षगांठ पर यह घोषणा की। यह घोषणा शरद पवार के भतीजे और राकांपा के एक प्रमुख नेता अजीत पवार की उपस्थिति में की गई थी। सुप्रिया सुले को जहां महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, महिला युवा और लोकसभा समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं प्रफुल्ल पटेल मध्य प्रदेश, राजस्थान और गोवा की कमान संभालेंगे। पिछले महीने, अनुभवी राजनेता शरद पवार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपना इस्तीफा वापस ले लिया था क्योंकि भावनात्मक पार्टी कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और उनके फैसले का विरोध किया।

पटना में विपक्षी दलों की बैठक में शामिल नहीं होगी बसपा

लखनऊ। पटना में 23 जून को विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में राजद , जदयू, कांग्रेस, सपा, टीएमसी, शिवसेना, एनसीपी समेत कई दलों के शीर्ष नेता भाग लेंगे। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर इस बैठक में रणनीति तय होगी। विपक्षी एकता के जरिए भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों को एकजुट करने की पहल की है। लेकिन बसपा इस बैठक में हिस्सा नहीं लेगी। पटना में 23 जून को आयोजित होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में बसपा हिस्सा नहीं लेगी। बसपा की ओर से कोई भी नेता इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। बसपा आगामी लोकसभा चुनाव महागठबंधन के साथ नहीं लड़ेगी बल्कि बिहार की सभी 40 सीटों पर बसपा अपना उम्मीदवार उतारेगी। बसपा के बिहार प्रभारी अनिल कुमार ने ये जानकारी दी है। भाजपा को हराने के लिए अब विपक्षी दलें अलग-अलग चुनाव लड़ने के बजाय एकसाथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या पर टीएमसी पर भड़के अधीर रंजन

कोलकाता। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हमारी आशंका सच साबित हो रही है। उन्होंने टीएमसी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल में सत्ताधारी दल गुंडागर्दी कर रहा है और डर का माहौल बनाने के लिए प्रशासन का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से विपक्ष को डराया जा रहा है, वे (टीएमसी) नहीं चाहते कि मुर्शिदाबाद चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हो। चुनाव प्रचार के दौरान एक कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत के बाद यह मामला सामने आया है। एक पार्टी कार्यकर्ता फूलचंद शेख की हत्या के बारे में बात करते हुए, चौधरी ने आरोप लगाया कि राज्य में जंगल राज कायम है, जिसके तहत सत्तारूढ़ दल के गुंडे और बदमाश विपक्षी कार्यकर्ताओं को शिकार बना रहे हैं, जैसे वे कुछ गहरे राक्षस हैं। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद के खरगाम में एक सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। यह पंचायत चुनाव के मद्देनजर हुआ।

गिरिराज सिंह पर गोडसे वाले बयान पर हमलावर हुए सिब्बल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हाल ही में महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे को भारत का सपूत बताया था और कहा था कि वह मुगल शासक बाबर और औरंगजेब की तरह आक्रमणकारी नहीं था क्योंकि वह भारत में पैदा हुआ था। इसी क्रम में राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने गिरिराज सिंह के गोडसे पर दिए इस बयान को लेकर शनिवार को उनपर हमला बोला। उन्होंने कहा, इसका मतलब जो भी हिन्दुस्तानी यहां पैदा हुआ है वो कत्ल करता है तो वो भारत का सपूत है। सपूत का मतलब क्या हुआ? इसका मतलब अच्छा पुत्र हुआ। तो क्या गिरिराज सिंह के हिसाब से गोडसे अच्छे पुत्र थे? संविधान की एक कैबिनेट जिम्मेदारी होती है, इसका मतलब है कि गिरिराज सरकार के लिए बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या मोदी और अमित शाह भी इस बात से सहमत है, उन्हें इसका खंडन करना चाहिए। उन्हें कहना चाहिए कि ये बयान बेबुनियाद है और गिरिराज ने जो कहा है वो गलत है।

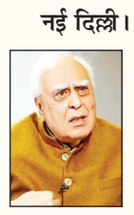

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल की अमेरिका यात्रा पर साधा निशाना

विदेश जाकर अपने देश की बुराई करना शोभा नहीं देता

गांधीनगर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाल ही में अमेरिका गए हुए थे। वहां उन्होंने मोदी सरकार पर जमकर हमला किया था। इतना ही नहीं उन्होंने यह तक कह डाला था कि मोदी भगवान को भी बता सकते हैं कि क्या करना है। इस पर अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा किसी भी नेता को शोभा नहीं देता कि वह विदेश में जाकर अपने देश को नीचा दिखाए। राहुल अपनी हरकतों से बाज नहीं आ सकते। वह भारत का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। हर विदेश यात्रा में वह अपनी गलतियों को दोहराते हैं।

केंद्रीय मंत्री गुजरात के पाटन जिले के सिद्धपुर कस्बे में मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने हाल की अमरीका यात्रा के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार की राहुल गांधी द्वारा की गई आलोचना का जिक्र किया। उन्होंने राहुल को अपने पूर्वजों से सीख लेने की सलाह दी।

शाह ने कहा कि किसी भी देशभक्त

व्यक्ति को भारत के भीतर देश की राजनीति पर चर्चा करनी चाहिए न कि विदेश जाकर। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी के नेता को विदेश जाकर देश की राजनीति पर चर्चा करना और देश की निंदा करना शोभा नहीं देता है। उन्होंने लोगों से कहा कि इस राहुल बाबा को याद रखें। वहीं, मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर शाह ने कहा कि इस अवधि में देश ने कई बड़े बदलाव देखे हैं। लेकिन कांग्रेस भारत विरोधी बातें करना बंद नहीं करती है। राहुल बाबा गर्मी की वजह से छुट्टी पर विदेश जा रहे हैं। वह विदेशों में देश की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी को अपने पूर्वजों से सीख लेने की सलाह देना चाहूंगा।

राहुल को विदेश में अल्पसंख्यक याद आते हैं: हरदीप पुरी

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक बार फिर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा विदेश में दिए जा रहे बयान को लेकर उनपर निशाना साधा है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ये (राहुल गांधी) विदेश जाते हैं तो इनको अल्पसंख्यक याद आ जाते हैं, जब आप 14 साल के थे तब हमारे 3,000 सिख भाइयों की हत्या हुई थी। आप कोई भी बयान दे देते हो और जब उसके बाद आपका झूठ पकड़ा जाता है तो माफी मांगते हो। उन्होंने राफेल का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि ये सब क्या है? आज का समय विश्वसनीयता का है। नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हमने 220 करोड़ वैक्सीन ना केवल बनाई हैं बल्कि उनको सही से वितरित भी किया है। पुरी ने कहा कि 100 देशों को तो हमने सीधे तौर पर वैक्सीन दी है। नीति-नीयत और नेता अगर ये तीनों ठीक हैं तो सब ठीक हो जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 9 साल ने सही मायने में विकास और समृद्धि सुनिश्चित की है। बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर लोगों के जीवन को आसान बनाने तक, न्यू इंडिया ने एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, उज्ज्वला, अमृत जैसी कुछ योजनाओं का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यूपीए सरकार के वर्षों के दौरान, राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया कुल मिलाकर निष्क्रियता और नीति-पक्षाघात की विशेषता थी। उस समय देश में विकास पर कोई ध्यान नहीं था और भारत फ्रैजाइल-फाइव अर्थव्यवस्थाओं में से एक था। उन्होंने दावा किया कि मोदी जी के नेतृत्व में, भारत ने एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा और दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया।

भाजपा के सभी मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक आज

नई दिल्ली। अगले साल की शुरुआत में देश में लोकसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले इस साल के अंत तक पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होना है। कुल मिलाकर अगले एक साल तक देश में चुनाव ही चुनाव होने हैं। ऐसे में सियासी पारा हाई होना स्वभाविक है।

एक तरफ विपक्षी दलों ने 23 जून को पटना में एक बड़ी बैठक बुलाई है। इसमें उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक के कई बड़े विपक्षी दल शामिल होंगे। कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे भी बैठक में जाएंगे।

वहीं, दूसरी ओर भाजपा ने भी 11 और 12 जून को भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के महासचिव बीएल संतोष और राज्य संगठनों के सचिव भी शामिल होंगे।

पार्टी के एक राष्ट्रीय नेता का कहना है कि सभी मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों को बैठक में पूरी तैयारी के साथ आने के लिए कहा गया है। पार्टी और संबंधित राज्य की सरकार के बीच तालमेल, सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार, आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति पर रिपोर्ट भी मांगी है। सभी से चुनाव में जीत के लिए इनोवेटिव आइडिया मांगे गए हैं। इसके अलावा राज्य प्रभारियों से सरकार और संगठन के बीच आ रही दिक्कतों के बारे में रिपोर्ट मांगी गई है। सांसदों और विधायकों के कामकाज को लेकर भी चर्चा होगी।

भाजपा नेता ने आगे बताया कि राज्य सरकार की केंद्र और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ तालमेल को लेकर भी चर्चा होगी। इसमें भाजपा शासित राज्यों के उन प्रोजेक्ट्स की डिटेल भी मांगी गई है, जिन्हें केंद्र सरकार से मंजूरी मिलनी है। ताकि, लोकसभा चुनाव से पहले विकास के मुद्दे पर कहीं से भी पार्टी को मुंह की न खानी पड़े। तालमेल बेहतर करके भाजपा राज्यों में अपनी पकड़ को और मजबूत बनाना चाहती है। अभी 10 राज्य ऐसे हैं, जहां भाजपा के मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री हैं। इसके अलावा पांच राज्यों में भाजपा गठबंधन की सरकार है।

अध्यादेश के मुद्दे पर उमर अब्दुल्ला ने केजरीवाल से किया सवाल

जब धारा 370 हटाई गई तो कहां थे?

श्रीनगर। राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ शनिवार को अरविंद केजरीवाल कई विपक्षी दलों से मुलाकात कर रहे हैं। वह दिल्ली में अध्यादेश के लेकर समर्थन चाहते हैं। इसी विषय पर बात करने के लिए वह जम्मू कश्मीर भी पहुंचे थे। अरविंद केजरीवाल तो समर्थन मांगने गये थे लेकिन उमर अब्दुल्ला ने उन्हें ही आड़े हाथ ले लिया। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा धारा 370 को निरस्त करने पर दिल्ली के सीएम के रुख पर सवाल उठाए गये। उन्होने सड़क पर आकर मीडिया से बात की। अरविंद केजरीवाल कई विपक्षियों से मिल रहे हैं। केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटाने की आप की कोशिशों के बीच उमर अब्दुल्ला केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा।

उमर ने सुनाई केजरीवाल को खरी खरी

उमर अब्दुल्ला ने कहा, अरविंद केजरीवाल तब कहां थे जब अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था? लोकतंत्र की हत्या की जा रही थी। उन्होंने उस समय सरकार का समर्थन किया था और आज वह अन्य दलों से समर्थन मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटाए जाने के खिलाफ केवल कुछ ही पार्टियों ने आवाज उठाई थी। केवल ममता बनर्जी की पार्टी और डीएमके ने उनका समर्थन किया था। केजरीवाल नहीं आये थे हमारा साथ देने के लिए।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल इस अध्यादेश के खिलाफ समर्थन हासिल करने के लिए गैर-बीजेपी दलों के नेताओं के पास पहुंच रहे हैं ताकि संसद में लाए जाने वाले विधेयक के जरिए इसे बदलने की केंद्र की कोशिश विफल हो जाए। गौरतलब है कि अभी तक मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) महासचिव सीताराम येचुरी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के चंद्रशेखर राव, शिव सेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता शरद पवार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आप को इस मुद्दे पर अपना समर्थन दिया है।

अध्यादेश विवाद क्या है?

केंद्र ने 19 मई को दिल्ली में ग्रुप-ए के अधिकारियों के तबादले और पोस्टिंग के लिए एक प्राधिकरण बनाने के लिए अध्यादेश जारी किया था, जिसे आप सरकार ने सेवाओं के नियंत्रण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ धोखा बताया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि को छोड़कर दिल्ली में सेवाओं का नियंत्रण निर्वाचित सरकार को सौंपे जाने के एक सप्ताह बाद यह अध्यादेश आया। यह DANICS कैडर के ग्रुप-ए अधिकारियों के स्थानांतरण और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए एक राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण स्थापित करना चाहता है। शीर्ष अदालत के 11 मई के फैसले से पहले दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग लेफ्टिनेंट गवर्नर के कार्यकारी नियंत्रण में थे।

कश्मीर एक हिमालयी क्षेत्र है जिसे भारत और पाकिस्तान दोनों कहते हैं कि यह पूरी तरह से उनका है। यह क्षेत्र कभी जम्मू और कश्मीर नामक एक रियासत था, लेकिन ब्रिटिश शासन के अंत में उपमहाद्वीप के विभाजन के तुरंत बाद 1947 में यह भारत में शामिल हो गया। भारतीय शासन के खिलाफ एक अलगाववादी विद्रोह के कारण 30 वर्षों से भारतीय प्रशासित पक्ष - जम्मू और कश्मीर राज्य में हिंसा हुई है।

खेल
प्रमुख समाचार

टेस्ट क्रिकेट में रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास

लंदन। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने हमवतन बिशन सिंह बेदी को पछाड़कर टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में देश के सबसे सफल बाएं हाथ के स्पिनर बन गए। जडेजा ने द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में, जडेजा ने पहली पारी के दो शतकों, स्टीव स्मिथ (34) और ट्रैविस हेड (18) की पारी का अंत किया। जडेजा ने नौ ओवर में 2/25 के आंकड़े के साथ दिन का अंत किया।

अब 65 टेस्ट मैचों में जडेजा ने 24.25 की औसत और 2.44 की इकॉनमी रेट से 267 विकेट लिए हैं। बिशन सिंह बेदी के 67 मैचों में 266 विकेट हैं। कुल मिलाकर, जडेजा टेस्ट में चौथे सबसे सफल बाएं हाथ के स्पिनर हैं। वह श्रीलंका के रंगना हेराथ (93 मैचों में 433), डेनियल विटोरी (113 मैचों में 362) और इंग्लैंड के डेरेक अंडरवुड (86 मैचों में 297 विकेट) से पीछे हैं।

2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में, जडेजा ने आठ मैचों में नौ पारियों में 32.75 की औसत से एक अर्धशतक के साथ 262 रन बनाए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 21.33 की औसत और 2.78 की इकॉनमी रेट से 27 विकेट भी लिए हैं। वहीं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया तीसरे दिन के खेल समाप्त होने तक भारत से 296 रनों से आगे थी। खबर लिखे जाने तक चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया 329 रनों की बढ़त बनाए हुए है। उस्मान ख्वाजा (13) और डेविड वार्नर (1) को सिराज और उमेश यादव ने जल्दी भेजा जबकि रवींद्र जडेजा (2/25) ने पिछली पारी के शतकों स्टीव स्मिथ (34) और ट्रैविस हेड (18) को आउट किया। भारत अपनी पहली पारी में 296 रन पर ढेर हो गया था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी लेने से पहले हो जाएं सतर्क

नईदिल्ली। लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए चुकाए जाने वाले प्रीमियम और मैच्योरिटी की राशि पर टैक्स के नियमों को लेकर लोगों के बीच काफी गलतफहमी है। बजट 2023 में नियमों में किए गए बदलाव के बाद तो यह गलतफहमी और बढी है। बजट 2023 में प्रस्तावित प्रावधान 1 अप्रैल 2023 से लागू भी हो गए हैं। फिलहाल असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न यानी आईटीआर फाइल करने का काम भी तेजी से चल रहा है। फाइनेंस बिल 2023 में इनकम टैक्स ऐक्ट, 1961, के सेक्शन 10 (10डी) में छठे और सातवें प्रावधान जोडे गए। 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी सेक्शन 10(10डी) के छठे प्रावधान के मुताबिक यदि लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए चुकाए गए प्रीमियम की राशि पॉलिसी अवधि के दौरान किसी भी एक वित्त वर्ष में 5 लाख रुपये से ज्यादा हुई तो बीमाधारक को उस पॉलिसी के लिए मिलने वाली मैच्योरिटी की राशि कर योग्य होगी।

ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ लाने की तैयारी में जुटी

नईदिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक 1 अरब डॉलर का आईपीओ लाने के लिए कमर कस रही है। कंपनी अगले सप्ताह सिंगापुर और अमेरिका में निवेशकों के साथ अपनी नियोजित स्टॉक मार्केट लिस्टिंग पर बातचीत करेगी। आईपीओ के लिए यह कंपनी की निवेशकों के साथ पहली बातचीत होगी। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के हवाले से रॉयटर्स ने यह जानकारी दी। इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता ओला इलेक्ट्रिक की योजना वर्ष 2023 के अंत तक आईपीओ की मदद से 60 करोड़ डॉलर से 1 अरब डॉलर के बीच पूंजी जुटाने की है। बता दें कि ओला को सॉफ्टबैंक और टेमासेक जैसे निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। आईपीओ की पेशकश के लिए अभी काफी समय है, ऐसे में ओला भारत के ईवी बाजार की व्यावसायिक क्षमता को समझाने के लिए समय से पहले ही निवेशकों के साथ बैठकें कर रही है।

7.2% की रियल जीडीपी देश और अर्थव्यवस्था के लिए उपलब्धि

नई दिल्ली। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत का वास्तविक जीडीपी दर हासिल करने को बड़ी देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि यह सरकार और अर्थव्यवस्था के लिए एक त्वरित उपलब्धि है। साथ ही मुख्य आर्थिक सलाहकार ने यह भी कहा कि 7.2% का रियल जीडीपी ग्रोथ हासिल करने में आम लोगों का भी अहम योगदान है। उनके समेत प्रयासों से ही हम यह विकास दर हासिल कर पाए हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि 2026 में जब रियल जीडीपी के वास्तविक आंकड़े आएंगे वे वर्तमान के संभावित आंकड़ों से और मजबूत हो सकते हैं। वित्त वर्ष 2023 के रियल जीडीपी के वास्तवित आंकड़े 7.2% से भी अधिक हो सकते हैं।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, जीई के बीच प्रस्तावित इंजन सौदे से रक्षा उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

नईदिल्ली। जनरल इलेक्ट्रिक और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच भारत में जेट इंजनों के विनिर्माण के लिए प्रस्तावित सौदे से अमेरिकी और भारत के रक्षा उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। उम्मीद की जा रही है कि दोनों कंपनियां 22 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा के दौरान इस सौदे की घोषणा करेंगी। दोनों पक्ष इस बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। उद्योग के विशेषज्ञों को उम्मीद है कि लंबे समय से प्रतीक्षित सौदे का दोनों देशों के बीच संबंधों पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका भारत कारोबारी परिषद के अध्यक्ष अतुल केशप ने बताया, 'दोनों सरकारें इस सौदे को पूरा करने के लिए भरपूर प्रयास कर रही हैं। मैं उनकी सफलता की कामना करता हूं।

भारतीय बैंकों की स्थिति में सुधार फिर भी सतर्कता जरूरी

गतांक से आगे...

प्रह्लाद सबनानी

अभी हाल ही में किए गए एक आंकलन के अनुसार अमेरिका के 160 बड़े बैंकों (जिनके पास 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक राशि की आस्तियां हैं) को 20,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है।

अमेरिका की रेटिंग संस्थाओं स्टैंडर्ड एंड पूअर्स एवं फिच ने कुछ बैंकों की रेटिंग घटाकर जंक श्रेणी में डाल दी है क्योंकि यह बैंक अपने जमाकर्ताओं को राशि वापिस करने की स्थिति में नहीं हैं। अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों को भी भारी आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इनके अमेरिकी बांड्ज में किए गए निवेश की बाजार कीमत कम हो गई है। सिटी बैंक समूह को 4,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर, बैंक ऑफ अमेरिका को 2,120 करोड़ अमेरिकी डॉलर, जेपी मोर्गन चेज को 1,730 करोड़ अमेरिकी डॉलर, टरुइस्ट फायनैन्शल को 1,360 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वेल्ज फार्गो को 1,340 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं यूएस बैंक कॉर्प को 1,140 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। यह सभी बड़े बैंक हैं अत: इस नुकसान को सहन कर जाएंगे परंतु छोटे बैंक तो असफल (फैल) ही हो जाने वाले हैं। अभी तक दो बैंक (सिलिकॉन वैली बैंक एवं सिग्नेचर बैंक) बंद हो चुके हैं और 6 अन्य छोटे आकार के बैंकों (फर्स्ट रिपब्लिक बैंक, वेस्टर्न अलाइन्स बैंक, पैकवेस्ट, यूएमबी फायनैन्शल सहित) पर गम्भीर संकट आ गया था। इन बैंकों में रोकड़ एवं तरलता की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गई है एवं इनके पास अपने जमाकर्ताओं को भुगतान करने के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं है। इन बैंकों के शेयरों की कीमत पूंजी बाजार में 14 से

30 प्रतिशत के बीच गिर चुकी है।

परंतु भारत में चूंकि भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार भारतीय बैंकों को 4.5 प्रतिशत रोकड़ रिजर्व अनुपात एवं 18 प्रतिशत संवैधानिक रिजर्व अनुपात बनाए रखना होता है। जिसके अंतर्गत बैंकों को रोकड़ एवं सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक के पास उक्त राशि जमा रखना होती है, ताकि बैंकों को तरलता सम्बंधी समस्या का सामना नहीं करना पड़े। साथ ही, भारतीय बैंकों में प्रति जमाकर्ता के खाते में रुपए 5 लाख तक की जमाराशि का बीमा भी रहता है। अत: अमेरिकी बैंकों पर आए संकट का प्रभाव भारतीय बैंकों पर पड़ता हुए दिखाई नहीं दे रहा है। बल्कि भारतीय बैंकों की उक्त वर्णित मजबूत स्थिति के चलते भारतीय रिजर्व बैंक की आज पूरी दुनिया में बहुत प्रशंसा हो रही है कि क्योंकि उसने भारतीय बैकों को आज इतनी मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। अभी हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास को गवर्नर ऑफ द ईयर अवार्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2023 के लिए सेंट्रल बैंकिंग, एक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनुसंधान जर्नल की ओर से प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।

फिर भी कुल मिलाकर भारतीय बैंकों की आर्थिक स्थिति को लेकर अभी भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विभिन्न बैंकों के किए जा रहे अपने निरीक्षण के दौरान यह पाया गया है कि कॉरपोरेट गवर्नेंस के मुद्दे को लेकर कुछ बैंकों में स्थिति ठीक नहीं है। अत: कॉरपोरेट गवर्नेंस के मुद्दे पर इन बैंकों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता प्रतिपादित की गई है। बैंकों को अपने जमाकर्ताओं का विशेष ध्यान रखना होगा ताकि उनकी जमाराशियां बैंकों में सुरक्षित रहें।

अतिमहत्वाकांक्षी तरीके से ऋण वितरण करने के तरीकों से बचना भी जरूरी है। इससे बैंकों के व्यवसाय में तेज गति से वृद्धि तो जाती है परंतु इस प्रकार प्रदान किए गए ऋणों की वसूली में कई बार कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कई बैंकों ने निष्पादन सम्बंधी नतीजे घोषित किए हैं, इन नतीजों के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों सहित कई बैंकों ने अपने व्यवसाय एवं लाभप्रदता में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की है। इस वित्तीय निष्पादन को जारी रखने के लिए बैंकों को उक्त वर्णित बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

चीन की चुनौती को भारत का जोजिला जवाब

मे. सरस चंद्र त्रिपाठी (रिटा.)

जिस गति से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और अरूणाचल प्रदेश में वर्तमान सरकार मूलभूत ढांचे का निर्माण कर रही है वह अभूतपूर्व और अविश्वसनीय है। अविश्वसनीय इसलिए कि कोई विकसित और उन्नत तकनीकी दक्ष देश भी ऐसे दुरूह प्रोजेक्ट को प्रारम्भ करने से पहले सौ बार सोचेगा। ऐसा ही एक प्रोजेक्ट है ज़ोजिला सुरंग। समुद्र तल से 11,600 फुट ऊपर यह दर्रा दुरूहतम दर्रों में एक है। ज़ोजिला दर्रा (पास) इतना दुरूह है कि कम से कम 5-6 महीने हिमपात और हिम जमाव के कारण इस पर आवागमन सम्भव ही नहीं होता। यह पास कश्मीर क्षेत्र को लद्दाख क्षेत्र से जोड़ता है। यह श्रीनगर से लगभग 100 किमी दूर करगिल जिले में स्थित है। लद्दाख को जोड़ने वाले मात्र दो ही पास (दर्रे) हैं, एक हिमाचल से होकर जाने वाला रोहतांग पास और दूसरा कश्मीर से जाने वाला ज़ोजिला पास। ये दोनों ही पास लद्दाख को भारत की मुख्य भूमि से पूरे वर्ष जोड़ कर रखने में सक्षम नहीं हैं।

अक्टूबर से अप्रैल तक सम्पूर्ण लद्दाख क्षेत्र शेष भारत भूमि से सड़क मार्ग से कटा रहता है। लद्दाख में चीन के साथ चल रहे टकराव और मूलभूत ढांचे की कमी को पूरा करने के लिए वर्तमान सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किया है और कर रही है। इन दोनों दर्रों के नीचे पहाड़ को चीरकर पूरे वर्ष प्रयोग किए जाने वाला राजमार्ग (आल वेदर रोड) बनाया जा रहा है। रोहतांग के विकल्प के रूप में अटल सुरंग तैयार हो चुकी है। अब ज़ोजिला सुरंग की बारी है। इस सुरंग के निर्माण का उद्घाटन स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में किया। यह सुरंग लगभग 14 किमी लम्बी है। यह दो-तरफा सुरंग मार्ग जो एशिया में अपने तरह का सबसे लम्बा है। इस प्रोजेक्ट के महत्व को समझने के लिए इतना जान लेना ही काफी होगा कि इसे केन्द्रीय स्तर पर निरंतर निगरानी में बनाया जा रहा है। अप्रैल के महीने में जहां सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ जोजिला का दौरा करके निर्माण कार्य का जायजा लिया था वहीं दो दिन पहले लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा ने इस जगह का दौरा करके निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस सुरंग का निर्माण कार्य सरकार के शिखर नेतृत्व की पहल पर हो रहा है। यही कारण है कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के उपराज्यपाल तथा केन्द्रीय राजमार्ग मंत्री स्वयं इसका समय समय पर निरीक्षण करते रहते हैं। जम्मू-कश्मीर में 25,000 करोड़ रुपये की लागत से 19 सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। इसके तहत ज़ोजिला में 6800 करोड़ रुपये की लागत से 13.14 किलोमीटर लंबी टनल व अप्रोच रोड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह 7.57 मीटर ऊंची घोड़े की नाल के आकार की सिंगल-ट्यूब, 2-लेन सुरंग है, जो कश्मीर में गांदरबल और लद्दाख के कारगिल जिले के द्रास शहर के बीच हिमालय में जोजिला दर्रे के नीचे से गुजरेगी। परियोजना में एक स्मार्ट टनल प्रणाली शामिल है, जिसका निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का उपयोग करके किया गया है। यह सीसीटीवी, रेडियो कंट्रोल, निर्बाध बिजली आपूर्ति, वेंटिलेशन जैसी सुविधाओं से लैस है। इस परियोजना में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से भारत सरकार के 5000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है। ज़ोजिला टनल प्रोजेक्ट के अंतर्गत 13,153 मीटर की मुख्य ज़ोजिला टनल, कुल लंबाई 810 मीटर की 4 पुलिया, 4 नीलग्रार टनल, कुल लंबाई 4,821 मीटर, 8 कट एंड कवर कुल लंबाई 2,350 मीटर और तीन 500 मीटर, 391 मीटर और 220 मीटर ऊर्ध्ववाधर वेंटिलेशन शाफ्ट प्रस्तावित हैं। अभी तक ज़ोजिला टनल का 28 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इस टनल के बनने से लद्दाख के लिए हर मौसम में कनेक्टिविटी हो जाएगी। वर्तमान में ज़ोजिला दर्रे को पार करने में औसत यात्रा समय कभी-कभी तीन घंटे लगते हैं, इस सुरंग के पूरा होने के बाद यात्रा का समय घटकर 20 मिनट रह जाएगा। यात्रा के समय में कमी से अंततः ईंधन की बचत के अलावा कई फायदे होंगे।

बेलगाम होते खालिस्तान समर्थक

ललित गर्ग

कुछ शक्तियां देश के आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने में जुटी हैं, वहीं कुछ संकीर्ण, साम्प्रदायिक, उन्मादी एवं अलगाववादी शक्तियां देश को तोड़ने एवं धुंधलाने में लगी हैं। वोटबैंक के नाम पर लोगों को अलग-अलग खेमों में बांटने, तुष्टिकरण एवं उन्मादी काली शक्तियों को प्रोत्साहन देने एवं ज्वाला बनाने का काम देश के लिये घातक एवं नुकसानदेह है। वोटबैंक की राजनीति सभी देशों में होती है, पर ऐसा करते हुए भी मर्यादा एवं देश की एकता का ध्यान भी रखा जाता है। कानून का राज कायम रखने और विश्व शांति के खतरों को कमतर करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। जिन देशों में इसका ध्यान नहीं रखा जाता, वहां जल्दी ही लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदल जाता है, टूट एवं बिखर कर रसातल में चला जाता है। धार्मिक कट्टरपंथियों एवं उन्माद के आगे नतमस्तक रहे पाकिस्तान को देखकर इस समस्या की गंभीरता को समझा जा सकता है। कनाडा में पिछले कुछ समय से और खासकर जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में, वहां बसे सिखों को साधने के लिए जिस तरह खालिस्तान समर्थकों को बढ़ावा दिया जा रहा है, वह भारत के लिए निश्चित रूप से चिंता की बड़ी वजह है, लेकिन यह कनाडा के लोकतंत्र के लिये भी बड़ा खतरा बनने का संकेत है।

कनाडा में बेलगाम होते खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियां किसी से छिपी नहीं, लेकिन अब उनका दुस्साहस इतना अधिक बढ़ गया है कि वे भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का खुलेआम जश्न भी मनाने लगे हैं। कनाडा के ब्रैंपटन शहर में खालिस्तान समर्थकों ने जिस तरह एक परेड निकाली और उसमें इंदिरा गांधी की हत्या करते हुए दिखाया गया, इसमें दो सिखों सतवंत सिंह और बेअंत सिंह को गोली मारते दिखाया गया। वह बेहद त्रासद, शर्मनाक और घिनौना है। यह परेड करीब पांच किमी तक निकाली गई। स्पष्ट है कि कनाडा की पुलिस आतंक का महिमामंडन करने वाली इस घिनौनी परेड को चुपचाप देखती रही। आतंकवाद का ऐसा खुला, लज्जाजनक और नग्न समर्थन कनाडा के साथ सभ्य समाज को शर्मसार करने वाला है। निश्चित ही इससे दुनिया में पनप रहे आतंकवाद को बल मिलेगा। यह आज सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय प्रश्न है।

भारत में भी कनाडा की ही भांति वोट बैंक ही पंजाब में खालिस्तानी आतंकवाद एवं जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवाद पनपने का बड़ा कारण बना था। इस घटना के सामने आने के बाद भारत सरकार की तीखी प्रतिक्रिया जायज है। ऐसी घटनाओं के कारण दोनों देशों के संबंधों पर असर पड़ सकता है। कांग्रेस नेताओं ने भी घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। यह एक ऐसी घटना है जिसमें बगैर किसी राजनीति के पक्ष व विपक्ष दोनों के सुर का एक होना जरूरी है। ऐसा ही दिखा भी, दिखना भी चाहिए। पंजाब में खालिस्तानी स्वर उग्र हो रहे हैं, इसको उग्रता देने में कनाडा आदि देशों में रह रहे खालिस्तान समर्थक सिखों से मिल रही आर्थिक मदद एवं अन्य प्रोत्साहन बड़े कारण हैं। अब एक बार फिर खालिस्तान समर्थक तत्व देश के अंदर और बाहर सक्रिय हो रहे हैं। कनाडा उनके लिए एक बड़ा केंद्र एवं आश्रय-स्थल बनकर उभरा है। और यह वहां अपनी तरह का कोई पहला मामला नहीं है। पिछले साल भी वहां से एक अलग देश खालिस्तान बनाए जाने के सवाल पर जनमत संग्रह करवाए जाने की खबर आई थी। खालिस्तान समर्थक कभी भारतीय उच्चायोग को घेरते हैं, कभी भारतीयों पर हमले करते हैं और कभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं।

कनाडा सरकार हर बार इन खालिस्तानी चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कहकर चुप्पी साध लेती है। सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे ताजा वीडियो को हालांकि सबसे पहले कांग्रेस नेताओं ने मुद्दा बनाया, लेकिन फिर सरकार भी इस पर जागरूक हुई है। ऐसी घटनाएं न तो भारत-कनाडा रिश्ते के लिए अच्छी हैं और न कनाडा के लिए। बहरहाल, इससे यह साफ हो जाता है कि कनाडा में हिंसा की वकालत करने वाले अतिवादी और अलगाववादी तत्वों पर कोई अंकुश नहीं रह गया है। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैके ने हालांकि इस घटना की निंदा की और कहा कि उनके देश में नफरत, द्वेष और हिंसा के महिमामंडन के लिए कोई जगह नहीं है। लेकिन ऐसे औपचारिक बयान जारी कर देना काफी नहीं है। उनका बयान लीपापोती के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि सच यही है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की कट्टरता और नफरत को पालने-पोसने का काम बड़ी ही बेशर्मी से किया जा रहा है, वहां की सरकार खालिस्तान समर्थकों को बढ़ावा देने में लगी हुई है। इसी के चलते उनका दुस्साहस बढ़ता चला जा रहा है। वैसे तो उग्रपंथी खालिस्तान समर्थक दुनिया के कई देशों में सक्रिय हैं, लेकिन वे जितने कनाडा में बेलगाम हैं, उतने अन्यत्र कहीं नहीं। कनाडा को समझना होगा कि आतंकवाद, अलगाववाद, नफरत और हिंसा की आग सबसे पहले उन देशों को जलाती है जो इसे हवा देते हैं। ऐसे देशों की दुर्गति के उदाहरण सबके सामने है। उन देशों के अनुभव से समय रहते सबक लेना चाहिए।

कनाडा में खालिस्तान समर्थन का बड़ा कारण यह है कि कनाडा की वर्तमान सरकार उस राजनीतिक दल के समर्थन के भरोसे सत्ता में है, जिसमें खालिस्तान समर्थक भरे पड़े हैं। कनाडा की सरकार संकीर्ण राजनीतिक कारणों से खालिस्तान समर्थकों की भारत-विरोधी अराजक, घृणित और नफरत फैलाने वाली हरकतों की जानबूझकर अनदेखी कर रही है। यह अच्छा हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बिना किसी लाग लपेट कहा कि कनाडा की धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए हो रहा है और वहां खालिस्तान समर्थकों को मिल रहे समर्थन से दोनों देशों के संबंध खराब हो सकते हैं। चूंकि इसके आसार कम हैं कि भारत सरकार की आपत्ति के बाद कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थक अराजक तत्वों को समर्थन देने से बाज आएगी, इसलिए यह आवश्यक है कि उस पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाया जाए।

भारत के लिये जरूरी है कि यहां सभी राजनीतिक दल इन अति-संवेदनशील एवं देश तोड़क मुद्दों पर एकमत हों। राजनीति के पोषण के बिना खालिस्तानी आतंक उग्र नहीं हो सकता, उनको भड़का कर राजनीति करने वाले दलों से सावधान होने की जरूरत है। खालिस्तान समर्थक अपनी आतंकवादी गतिविधियों एवं हरकतों से देश की एकता एवं अखण्डता को खंडित करना चाहते हैं, ये तत्व अपनी इस तरह की हरकतों के जरिए उस आतंकवाद की ओर से ध्यान हटाने की कोशिश करते हैं, जिसकी वजह से ऑपरेशन ब्लू स्टार जैसे कदम उठाने पड़े और जिसके चंगुल में पंजाब आगे भी कई साल तक फंसा रहा, त्रासदी झेलता रहा, डरा एवं सहमा रहा। न जाने कितने परिवार इस चक्कर में बर्बाद हो गए, कितने लोगों को जान देनी पड़ी। अनगिनत कुर्बानियों के बाद पंजाब जैसे-तैसे उस मुश्किल दौर से निकला और पहले की तरह अपने पराक्रम से विकास की नई कहानियां लिखने लगा। लेकिन अब पुनः पंजाब को उसी खूनी मंजर एवं खौफनाक दौर की ओर अग्रसर करना आजादी के अमृतकाल को धुंधला देगा। जरूरत है तुष्टिकरण हटे, संकीर्ण दायरों से बाहर आये एवं उन्माद भी हटे। अगर भारत माता के शरीर पर इतना बड़ा घाव करके हम कुछ नहीं सीख पाये, आस्था को उन्माद बनाने से नहीं रोका, वोट के लिये धर्म की राजनीति करना नहीं छोड़ा और सर्वधर्म समभाव की भावना को पुनः प्रतिष्ठापित नहीं किया तो यह हम सबका का दुर्भाग्य होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

गरुडोपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

तुम चाहे गुलिक के दूत हो अथवा स्वयं गुलिक हो। उनकी अथवा हमारी हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित हो रहा है, ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि विषों की विप है। विष को दूषित करने, मारने, नष्ट एवं हरण करने वाली है, ऐसी वह जो स्वयं ब्रह्मरूपा है। उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर विनष्ट कर दिया है। इस विष को नष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है, स्वाहा।

तुम चाहे पौण्ड्रकालि के दूत हो अथवा स्वयं कालिक हो उनकी अथवा हमारी हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित हो रहा है, ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि जियों की विष है। विष को दूषित करने, मारने, नष्ट एवं हरण करने वाली है, ऐसी वह जो स्वयं ब्रह्मरूपा है, उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर विनष्ट कर दिया है। इस विष को नष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है, स्वाहा।

तुम चाहे नागक के दूत हो अथवा स्वयं नागक हो। उनकी अथवा हमारी हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित हो रहा है। ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि विषों की विष है। विष को दूषित करने, मारने, नष्ट एवं हरण करने वाली है। ऐसी वह जो स्वयं ब्रह्मरूपा है, उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर नष्ट कर दिया है। इस विष को विनष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है, स्वाहा।

तुम चाहे मकड़ी, बड़ी (श्रेष्ठ) मकड़ी हो चाहे वृश्चिक (बिच्छू) हो, चाहे घुड़दौड़ सर्प हो और चाहे स्थावर जंगम हो। उनकी अथवा हमारी हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित एवं संचरित हो रहा है। ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि विषों की विष है। विष को दूषित करने, मारने, नष्ट एवं हरण करने वाली है. ऐसी वह जो स्वयं ब्रह्मरूपा है, उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर नष्ट कर दिया। इस विष को विनष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है, स्वाहा।

क्रमशः ...

बाल श्रम रोकने के लिए मनाया जाता है 'अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस'

अमृता गोस्वामी

बाल श्रम की वैश्विक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करने तथा बाल श्रम को पूरी तरह से समाप्त करने हेतु आवश्यक प्रयासों के क्रियांवित किए जाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 12 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिन बच्चों को एक अच्छा भविष्य निर्माण करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस की शुरुआत 'अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' (आईएलओ) द्वारा वर्ष 2002 में की गई थी।

आईएलओ और यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि विश्वभर में बाल श्रमिकों की संख्या बढ़कर 16 करोड़ हो गई है, इस रिपोर्ट में यह चेतावनी भी दी गई है कि कोविड-19 महामारी के परिणाम स्वरूप 2022 के अंत तक वैश्विक स्तर पर 90 लाख और बच्चों को बाल श्रम में धकेल दिए जाने का खतरा है। आज बाल श्रम निषेध दिवस पर हमारा यह जानना जरूरी है कि बाल श्रमिक किन्हें कहा जाता है और बाल श्रमिकों पर बाल श्रम के क्या कुप्रभाव होते हैं।

कानून के अनुसार बाल श्रमिक वह बच्चे हैं जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय कानून द्वारा

परिभाषित न्यूनतम कानूनी उम्र से पहले किसी व्यावसायिक कार्य में लगाया जाता है इसके अलावा गुलामी या गुलामी के समान प्रथा अथवा किसी अवैद्य गतिविधियों में बच्चों का शामिल होना भी बाल श्रम के अंतर्गत आता है, वहीं ऐसे कार्य जो बच्चों या किशोरों के स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत विकास को प्रभावित नहीं करते हैं या जिन कार्यों का उनकी स्कूली शिक्षा पर कोई कुप्रभाव नही पड़ता हो बाल श्रम नहीं कहलाते। शिक्षा के समय के अलावा या छुट्टियों के दौरान किसी पारिवारिक नैतिक व्यवसाय में बच्चे का साथ देना उसकी हॉबी या एक सामाजिक सोच को प्रेरित करता है, अतः यह भी बाल श्रम नहीं है। बाल श्रमिक में वे बच्चे चाहे लड़के हों या लड़कियां भी शामिल हैं जो आपदाग्रस्त, दिव्यांग, एचआईवी पीड़ित, अनाथ, अनुसूचित जाति व जनजाति, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक, विस्थापित, हिंसा एवं युद्धग्रस्त इलाकों से हैं और बाल श्रम करते हैं।

बाल श्रम एक सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय समस्या है जिससे बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है। बाल श्रम का असर बच्चों पर इस तरह पड़ता है कि वे शिक्षा से दूर होते जाते हैं, उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है, उनके साथ दुर्व्यवहार की संभावना रहती है, उन्हें भिक्षावृत्ति की ओर प्रवृत्त किया जा सकता है, उनका शारीरिक शोषण किया जा सकता है साथ ही उन्हें असुरक्षित प्रवास और विस्थापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बाल श्रम से जुड़े बच्चे अपने बचपन की मौलिकता, खेलकूंद और मनोरंजन से वंचित रह जाते हैं।

ज्ञात हो कि 20 नवंबर, 1989 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन' को अपनाया गया था, जिसमें 18 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को किसी भी प्रकार के व्यवसाय में लगाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। एनसीआरसी को भारत द्वारा वर्ष 1992 में अनुमोदित किया गया था। भारत में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्यों में लगाने से प्रतिबंधित किया गया है। जबकि 14 से 18 वर्ष से किशोरों पर केवल खतरनाक व्यवसायों में कार्यों में लगाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

रूस का बढ़ता सैन्य खर्च और खोती हुई साख

नीरज कुमार दुबे

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के बढ़ते कदम अब रुक-से गए हैं क्योंकि जानमाल की भारी हानि रूस को भी हुई है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यह समझ नहीं आ रहा है कि वह करें तो क्या करें। दरअसल, 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद से ही रूस पश्चिमी देशों की ओर से लगाये गये तमाम प्रतिबंधों का सामना कर रहा था। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध और बढ़ गये जिससे रूस की अर्थव्यवस्था भारी दबाव में आ गयी। इसके साथ ही पुतिन की सोच के विपरीत युद्ध लंबा खिंचता चला जा रहा है जिससे रूस का नुकसान बढ़ता ही जा रहा है। देखा जाये तो शुरू में रूस ने एक छोटा सैन्य अभियान समझ कर जो युद्ध शुरू किया था वह अब अंतहीन होता दिख रहा है। रूस के लिए यह संघर्ष एक लंबा और महंगा युद्ध बन गया है।

द इकोनॉमिस्ट ने अनुमान लगाया है कि रूस का सैन्य खर्च एक वर्ष में पांच खरब रूबल (49 अरब पाउंड) या उसके सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत है। हालांकि जर्मन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (जीडीएपी) का अनुमान है कि युद्ध में रूस का सैन्य खर्च यूएसडी 90 अरब (72 अरब पाउंड), या जीडीपी के पांच प्रतिशत से अधिक है। युद्ध में जिस तरह बेहिसाब खर्च हो रहा है उससे अब रूसियों का हौसला भी जवाब देने लगा है। जहां तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की बात है तो उसने रूस की अर्थव्यवस्था को बहुत भारी नुकसान पहुंचाया है। प्रतिबंधों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों, विदेशी मुद्रा और उत्पादों तक रूस की पहुंच की क्षमता को प्रभावित किया है। साथ ही जिस दर से रूसी सेना को इस समय रक्षा उपकरण और गोला-बारूद मित्र देशों से मिल रहा है, वह भी देश के रक्षा उद्योग पर दबाव

डाल रहा है। इस स्थिति से उबरने के लिए रूस के सामने विकल्प यह है कि वह एक बार में निर्णायक सफलता हासिल करने के लिए अपने सैन्य प्रयासों को बड़े पैमाने पर बढ़ाये। अगर युद्ध ऐसे ही चलता रहा तो यूक्रेन को दुनिया से मदद मिलती रहेगी क्योंकि यह युद्ध भले दो देश लड़ रहे हों मगर इससे वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में रूस को रोकने और यूक्रेन को जिताने के लिए दुनिया के बड़े देश यूक्रेन को समर्थन देते रहेंगे।

अब तक के युद्ध को देखें तो रूस ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद खो दिया है। मार्च 2023 में ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के मंत्री जेम्स हेप्पी ने अनुमान लगाया था कि रूस ने 1,900 मुख्य युद्धक टैंक, 3,300 अन्य बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 73 चालक दल वाले फिक्स्ड विंग विमान, सभी प्रकार के कई सौ बिना चालक दल वाले हवाई वाहन (यूएवी), 78 हेलीकॉप्टर, 550 ट्यूब आर्टिलरी सिस्टम, 190 रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम और आठ नौसैनिक जहाज खो दिए हैं। इसके अलावा, रूस को कई महत्वपूर्ण सैन्य और औद्योगिक चुनौतियों से भी जूझना पड़ रहा है। दरअसल सटीक निशाना लगाने वाले कई हथियारों के लिए रूस भी विदेशी तकनीक पर निर्भर है जोकि प्रतिबंधों के चलते अब उसे मिल नहीं रही है। इस तरह की भी रिपोर्टें हैं कि रूसी सेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले अधिकांश उच्च तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद अमेरिकी कंपनियों द्वारा ही निर्मित होते हैं। शायद यही कारण है कि इस समय रूसी सेना निम्न श्रेणी के हथियारों का ज्यादा उपयोग कर रही है और अत्याधुनिक तकनीक वाले हथियारों का उपयोग संयम के साथ किया जा रहा है। रूस ऐसा इसलिए कर रहा है कि स्थिति ज्यादा बिगड़ती है तब इनसे असल काम लिया जा सके। ऐसा भी सामने आया है कि जिन तोपों के गोलों पर रूस को बहुत भरोसा था वह भी अब कम पड़ रहे हैं।

रूस पर वैश्विक प्रतिबंधों का कितना असर पड़ रहा है यह समझना है तो आप यूएस थिंकटैंक सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड इंटरनेशनल स्टडीज की रिपोर्ट को देख सकते हैं। इस रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुमानों के हवाले से बताया गया है कि रूस इतना परेशान हो चुका है कि वह अपने जिन 6000 से अधिक सैन्य उपकरणों को बदलना या अपग्रेड करना चाहता था, उस काम को उसने रोक दिया है क्योंकि उसे विदेशी तकनीक और रक्षा उत्पादन से जुड़े साजो-सामान नहीं मिल पा रहे हैं। रूसी टैंकों और सैन्य विमानों का अपग्रेड भी इन प्रतिबंधों की वजह से रुक गया है।

रूस से जो रिपोर्टें सामने आ रही हैं वह दर्शा रही हैं कि अब पुतिन की सरकार घरेलू स्तर पर ही हथियारों को पूर्ण रूप से निर्मित करने पर जोर दे रही है। रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दमित्री मेदवेदेव ने हाल ही में 1,500 आधुनिक टैंकों के उत्पादन की योजना पेश की है। रूसी संवाद समिति तास ने बताया है कि मेदवेदेव निगरानी ड्रोन के बड़े पैमाने पर उत्पादन की भी योजना बना रहे हैं। बताया जाता है कि सरकार हथियार निर्माताओं को पर्याप्त ऋण प्रदान कर रही है और यहां तक कि ऐसा करने के लिए बैंकों को आदेश भी जारी किया गया है। यह भी बताया जा रहा है कि कई रूसी हथियार संयंत्र सप्ताह में छह या सात दिन तक तीन शिफ्टों में काम कर रहे हैं और कर्मचारियों को अधिक वेतन की पेशकश भी कर रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि वे उन जैसी हथियार प्रणालियों का उत्पादन बढ़ा सकें जिनका रूस प्रतिबंधों के चलते आयात नहीं कर पा रहा है।

बहरहाल, रूस का बढ़ता सैन्य खर्च और खोती हुई साख दुनिया को भारत के उस संदेश का महत्व एक बार फिर बताती है जिसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। युद्ध से भले रूस ने यूक्रेन के कुछ इलाके जीत लिये हों लेकिन अपनी सैन्य ताकत का उसे जितना घमंड था वह चूर-चूर हो चुका है। एक छोटे-से देश की सीमित संसाधनों वाली सेना ने जिस तरह विश्व की एक महाशक्ति को डेढ़ साल से उलझा रखा है वह वैश्विक इतिहास की बड़ी घटनाओं में शुमार हो चुका है।

बापू की दिनचर्या

दिन का भोजन

बापू दिन का भोजन सामान्यतः ग्यारह बजे किया करते। सन् 1913 में फिनिक्स-आश्रम में दिन में ग्यारह बजे वे भोजन की मेज पर बैठ जाते। टॉलस्टॉय फार्म में भी दिन के भोजन का यही समय था। सन् 1925 में साबरमती में भी वे ग्यारह बजे और सन् 27 में साढ़े दस बजे के लगभग भोजन करते। आगा खाँ महल में साढ़े दस बजे, नोवाखाली में ग्यारह बजे और सेवाग्राम में साढ़े दस-ग्यारह बजे वे भोजन करते। अंतिम दिन का आहार उन्होंने दिन में ग्यारह बजे किया। इसके पश्चात् उस दिन बापू ने आभा बहन गांधी से बंगला पाठ पढ़ा और स्वयं बंगला लेखन भी किया। उन दिनों उनके दिन के आहार का यही समय था। बापू सभी कार्यों की भाँति भोजन में भी समय की पाबंदी रखते। आश्रम में भोजन के लिए घंटी बजती। यदि कोई व्यक्ति देर से पहुँचता और भोजनालय का दरवाजा बंद हो जाता, तो उस समय वे छोटा-सा वक्तव्य दे डालते। वे भोजन को रेलगाड़ी समझने के लिए कहते। उनका कहना था कि छह बजे की गाड़ी पकड़ने के लिए कम-से-कम पंद्रह मिनट पहले स्टेशन पर उपस्थित होना आवश्यक है। छह बजकर पाँच मिनट पर स्टेशन पहुँचनेवाले को गाड़ी नहीं मिल सकती। उसे अगली गाड़ी की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। यह उपदेश दूसरों के लिए होता, ऐसा नहीं। वे अपने लिए इसी नियम को लागू करते देखते गए।बापू को एक बार संभवतः साबरमती आश्रम में कुछ कारणवश भोजनागार में पहुँचने में देर हो गई। उन दिनों वे तथा वहाँ के सभी लोग आश्रम के भोजनालय में भोजन करते। भोजन के समय दो घंटियाँ बजतीं। दूसरी घंटी तक जो न पहुँच पाता, उसे दूसरी पंक्ति के लिए बरामदे में इंतजार करना पड़ता। किवाड़ बंद कर दिए जाते, जिससे बाद में कोई आ न सके। हाँ, तो चेतावनी की अंतिम घंटी बज चुकी थी। द्वार बंद था। बापू बाहर खड़े थे। बैठने के लिए कोई बेंच या कुर्सी वहाँ नहीं थी। इस पर हरिभाऊजी उपाध्याय ने, जो स्वयं पिछड़ गए थे, बापू से कहा-कुर्सी लाऊँ? बापू ने इनकार करते हुए उसी में सच्चा आनंद अनुभव किया और सजा भुगतने के लिए कहा। सन् 1928 का एक दूसरा प्रसंग है। बापू एक बार दोपहर के भोजन के समय रसोईघर में ठीक समय पर न पहुँच सके तो घंटी बजानेवाले भाई उनकी प्रतीक्षा करने लगे।

क्रमशः ...

हर समाज और वर्ग के लोगों का विकास हमारा ध्येयः बघेल

मुख्यमंत्री चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के वार्षिक अधिवेशन में हुए शामिल, कुर्मी समाज के छात्रावास भवन का किया उद्घाटन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शुक्रवार को कवर्धा के गांधी मैदान में चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के वार्षिक अधिवेशन के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि कुर्मी समाज कृषि आधारित समाज है और प्रारंभ से ही खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है। प्रदेश के कृषक वर्ग को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा कृषकों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज स्वर्गीय डॉ. खूबचंद बघेल, स्वर्गीय डॉ. चंदूलाल चंद्राकर और अन्य पूर्वजों का सपना था कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हो और छत्तीसगढिया किसान, मजदूर, श्रमिक, गरीब तथा पिछड़े तबकों की स्थिति में सुधार हो। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित सभी क्षेत्रों छत्तीसगढ़ की स्थिति बेहतर हो। हमने साढ़े चार सालों में समाज के सभी वर्ग के लोगों की स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास किया है। इस मौके पर समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को किसानों के प्रतीक नागर, तलवार और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने समाज द्वारा निर्मित छात्रावास भवन का उद्घाटन भी किया। अधिवेशन में पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चंद्राकर, राज्य पिछड़ा वर्ग

आयोग के सदस्य श्री महेश चंद्रवंशी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद हमने सबसे पहले किसानों का कर्जा माफ किया। समर्थन मूल्य में धान की साथ-साथ कोदो, कुटकी, रागी, मक्का और गन्ना खरीदी कर रहे है। इससे किसानों के आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। राजीव गांधी किसान गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना से किसानों, ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति बदलाव आया है। राज्य के किसान कर्ज से चिंता मुक्त हो गए है। उन्होंने कहा कि सरकार की किसाना हितैषी नीतियों के चलते राज्य में खेती-किसानी को लेकर लोगों में रूचि बढ़ी है। खेती छोड़ चुके लोग भी अब खेती-किसानी से जुडने लगे है। उन्होंने कहा कि राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों की संख्या और धान उर्पाजन की मात्रा बीते साढ़े चार सालों में दोगुनी हो गई है। पंजीकृत धान का रकबा बढ़कर अब 32 लाख हेक्टेयर हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हम देश के सभी राज्यों के भ्रमण कर रहे है और किसानों से मिले है। अन्य राज्यों के किसान भी चाहते है कि छत्तीसगढ़ के किसानों के जैसा उन्हें भी राजीव गांधी किसान न्याय योजना लाभ मिले। आज छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है। छत्तीसगढ़ में हमारे ग्रामीण, किसान, पशुपालक गोबर बेचकर मोटर साइकिल खरीद रहे है। गोबर से वर्मी कम्पोस्ट, प्राकृतिक पेंट तैयार किया जा रहा है, जिसका उपयोग सभी शासकीय कार्यालयों के रंग-रोगन में हो रहा है। गौठानों में स्थापित रीपा के माध्यम से महिलाओं को गांव में ही रोजगार मिलने लगा है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि पुरखो के सपनों के अनुरूप आप सबके सहयोग से आज यहां छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। आज वनांचल क्षेत्र सुकमा, बस्तर के विधार्थी मेरिट लिस्ट में आ रहे है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान को बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ी परम्परा को बढ़ावा दिया जा रहा है। हरेली, तीजा, दशहरा और छत्तीसगढ़ी त्योहार में सार्वजनिक अवकास घोषित किया गया है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति और खाना-पान को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के सम्मान में राज गीत बनाया गया है, जिससे अब लगता है कि छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ियों की सरकार है और पुरखा के सपने साकार हो रहे है। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष लाल बहादुर चंद्रवंशी, लालजी चंद्रवंशी, शिवकुमार चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य तुकाराम चंद्रवंशी, नीलकंठ चंद्रवंशी एवं समाजिक पदाधिकारी सहित समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जिला सीईओ ने ओड़गी क्षेत्र के विभिन्न निर्माण कार्यो का किया निरीक्षण

सूरजपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश न में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री लीना कोसम के द्वारा सूरजपुर जिले के ओड़गी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत इन्दरपुर में अमृत सरोवर अन्तर्गत तालाब निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। कुदरगढ़ में रीपा योजना अन्तर्गत गोबर पेन्ट निर्माण इकाई, चुनरी निर्माण इकाई, टेन्ट एवं बर्तन इकाई में कार्यरत स्व सहायता समूह की महिलाओं के साथ चर्चा किया गया एवं उत्पादन बढाने एवं मार्केटिंग बढानें के संबंध में निर्देश दिया गया। तत्पष्चात गिरजापुर एवं ओड़गी में नरवा उपचार के अन्तर्गत गेबियन, अन्डरग्राउण्ड डाइक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात् पालदनौली में अमृत सरोवर योजना अन्तर्गत तालाब निर्माण का निरीक्षण किया गया, एवं बांक में प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहीयों से चर्चा किया गया। आवास को शीघ्र पूर्ण करने हेतु कहा गया, नरवा उपचार अन्तर्गत गेबियन, अन्डरग्राउण्ड डाइक निर्माण कार्य एवं आवर्ती चराई का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात उन्होंने लांजित एवं चिकनी में अमृत सरोवर योजना अन्तर्गत तालाब निर्माण कार्य का निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रणबीर साय जनपद पंचायत ओड़गी, सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा श्री के.एम. पाठक, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, श्री महेन्द्र कुशवाहा संबंधित तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में करीब 5 लाख नए मतदाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस बार नए मतदाताओं की संख्या को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने नए पोलिंग बूथ बनाकर वोटरों की भीड़ नियंत्रित करने की योजना बनाई है। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होना है। इस बार चुनाव में करीब 5 लाख नए मतदाता भी जुड़ गए हैं, इनके लिए मतदान केन्द्रों की तलाश शुरू कर दी गई है। 5 लाख नए मतदाता यदि पुराने पोलिंग बूथों में मतदान के लिए पहुंचे तो भीड़ बढ़ जाएगी और इसे नियंत्रित करना काफी मुश्किल होगा। यही वजह है कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर नए बूथों की तलाश की जा रही है। इनमें रायपुर, बिलासपुर दुर्ग जैसे बड़े शहरों को चिन्हित किया गया है, जहां सर्वाधिक मतदाता बढ़े हैं। आयोग की मंशा ये है कि ऐसे पुराने मतदान केन्द्र जहां 4-5 बूथ हैं, उनकी संख्या कम कर दी जाए और इसके स्थान पर नए बूथ बनाए जाएं। रायपुर में आई केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम ने शुक्रवार को प्रदेश के 15 जिलों के कलेक्टर-एसपी तथा आला अफ्सरों के साथ मंथन किया। गुरुवार को 18 जिलों के अफ्सरों से डेटा लिया गया था।

मध्य रेलवे मजदूर संघ के जोनल महामंत्री ने किया डीजल लोको शेड का दौरा

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ बिलासपुर जोन के महामंत्री संतोष पटेल ने शुक्रवार को अपने जोनल सहयोगी सदस्यों के साथ डीजल लोको शेड रायपुर एवं मण्डल रेल चिकित्सालय डब्ल्यू आर एस कालोनी का दौरा किया। इस दौरान डीजल लोको शेड रायपुर के अध्यक्ष राजेन्द्र धीवर व सचिव मिथुन मानिकपुरी ने अपने शाखा कार्यकर्ताओं के साथ महामंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। महामंत्री पटेल ने डीजल लोको शेड रायपुर के वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक अभियंता शुभम वर्मा से सौजन्य मुलाकात की तथा डीजल लोको शेड रायपुर के वर्तमान महत्वपूर्ण समस्याओं पर डीजल लोको शेड रायपुर के अधिकारी शुभम वर्मा से विस्तृत चर्चा की और इसे कर्मचारी हित में शीघ्र अतिशीघ्र ही समाधान निकालने का आग्रह किया जिसे डीजल लोको शेड रायपुर के वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक अभियंता वर्मा जी ने जल्द ही इन समस्याओं का उचित समाधान निकालने का भरोसा दिलाया।

10वीं-12वीं के टॉपर बच्चों ने की हैलीकॉप्टर की सैर

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले बच्चों ने आज हैलीकॉप्टर राइड का मजा लिया। टॉपर्स बच्चों ने हैलीकॉप्टर्स से उतरने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का दिल से धन्यवाद करते हुए आगे भी इसी तरह अच्छे से पढ़ाई करने की बात भी कही। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले बच्चों को हेलीकॉप्टर्स से सैर कराया जाता है। इस वर्ष भी बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले बच्चों को आज पुलिस लाईन हेलीपेड से हेलीकॉप्टर में बिठाकर आसमान की सैर कराई गई। आज सुबह करीब 10 बजे से ही राजधानी के आसमान पर हैलीकॉप्टर्स की गड़गड़ाहट शुरू हो गई थी। बोर्ड परीक्षा में मेरिट में स्थान पाने वाले करीब 90 बच्चों को आज सीएम के निर्देशानुसार हेलीकॉप्टर में बिठाकर राजधानी की सैर कराई गई। पहली बार उड़नखटोले को इतने करीब से देखने और उस पर बैठकर हवाई सैर करने वाले बच्चों के खुशी का ठिकाना ही नहीं था। अधिकांश बच्चे अपने-अपने माता-पिता अथवा परिजनों के साथ पुलिस लाईन मैदान पहुंचे थे। बच्चों के साथ ही उनके माता-पिता और परिजन भी अपने लाडले-लाडली को हेलीकॉप्टर में बैठकर आसमान की सैर करता देख खुशी से गदगद हो गए थे।

छग उच्चन्यायालय में 12 से नए रोस्टर सिस्टम के माध्यम से होगी सुनवाई

रायपुर। 12 जून सोमवार से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में प्रकरणों की सुनवाई नये रोस्टर सिस्टम से होगा। इसके तहत तीन डिवीजन और 15 सिंगल बेंच में जज मामलों की सुनवाई करेंगे। 05 स्पेशल बेंच का भी गठन किया गया है। यह बेंच दिन विशेष में सुनवाई करेगी।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के निर्देश पर जारी नए रोस्टर के अनुसार, पहला डिवीजन बेंच चीफ जस्टिस व जस्टिस राकेश मोहन पांडेय का होगा। इसमें रिट याचिका सिविल, रिट याचिका सर्विस वर्ष 2023 के मामले, जनहित याचिका, वर्ष 2023 के पहले के रिट अपील, बंदी प्रत्यक्षीकरण, क्रिमिनल अपील से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई करेंगे। दूसरा डिवीजन बेंच जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस संजय कुमार जायसवाल का होगा। इसमें टैक्स से संबंधित रिट अपील, कमर्शियल डिवीजन बेंच, डिवीजन बेंच में सुने जाने वाले सिविल के मामले, कंपनी अपील और वर्ष 2020-21 के क्रिमिनल अपील से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई करेंगे। तीसरी डिवीजन बेंच जस्टिस संजय के अग्रवाल और जस्टिस अरविंद चंदेल का होगा। इसमें डिवीजन बेंच में सुने जाने वाले सभी प्रकार के क्रिमिनल

अपील, वर्ष 2022 के रिट अपील, डिवीजन बेंच में सुने जाने वाले सभी रिट मामलों की सुनवाई होगी।

15 सिंगल बेंच में प्रतिदिन होगी याचिकाओं की सुनवाई

इसके अलावा 15 सिंगल बेंच में प्रतिदिन याचिकाओं की सुनवाई होगी। पहला सिंगल बेंच चीफ जस्टिस का होगा। इसमें आब्रिट्रेशन एक्ट से संबंधित याचिका की सुनवाई करेंगे। स्पेशल बेंच सप्ताह में एक दिन शुक्रवार को दोपहर दो बजकर 15 से लगेगी। दूसरा स्पेशल बेंच जस्टिस गौतम भादुड़ी का होगा। इसमें वर्ष 2006 से लेकर अब तक के रिट याचिकाओं की सुनवाई करेंगे। तीसरा स्पेशल बेंच जस्टिस संजय के अग्रवाल का होगा। इसमें वर्ष 2020 के सिविल रिवीजन से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। जस्टिस पी सैम कोशी के सिंगल बेंच में वर्ष 2018 से लंबित रिट याचिकाओं की सुनवाई होगी। जस्टिस संजय अग्रवाल के सिंगल बेंच में द्वितीय अपील, प्रथम अपील, ट्रांसफर याचिका सिविल की सुनवाई होगी।

हर शुक्रवार को विशेष बेंच की सुनवाई

इसके साथ ही जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल के सिंगल बेंच में वर्ष 2012 से लंबित क्रिमिनल रिविजन से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई होगी। हर शुक्रवार को विशेष बेंच में भी सुनवाई करेंगे। जस्टिस पीपी साहू के सिंगल बेंच में वर्ष 2019 से लंबित रिट याचिका सर्विस से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई होगी। जस्टिस रजनी दुबे के सिंगल बेंच में वर्ष 2013 से लंबित क्रिमिनल रिवीजन, ट्रांसफर याचिका क्रिमिनल, क्रिमिनल रिफरेंस से संबंधित याचिका की सुनवाई होगी। जस्टिस एनके व्यास के सिंगल बेंच में सीआरीपीसी की धारा 438 के तहत जमानत आवेदन, वर्ष 2017 से लंबित रिट याचिका की सुनवाई होगी। जस्टिस एनके चंद्रवंशी के सिंगल बेंच में वर्ष 2018 से लंबित रिट याचिका सर्विस, सभी रिट याचिका की सुनवाई होगी।

मेकाज झेल रहा स्टाफ की कमी, कर्मचारियों में रोष

तीन दिन तीन घंटे कार्य बहिष्कार का एलान

जगदलपुर। मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में स्टाफ नर्स की कमी को लेकर छत्तीसगढ़ परिचारिका कर्मचारी कल्याण संघ के द्वारा 3 दिनों तक रोजाना 3 घंटे तक काम को बंद करते हुए रोष व्यक्त किया जाएगा। इस मामले को लेकर संघ के द्वारा संयुक्त संचालक सह अधीक्षक शहीद महेंद्र कर्मा स्मृति चिकित्सालय को ज्ञापन भी सौप चुके हैं।

छत्तीसगढ़ परिचारिका कर्मचारी कल्याण संघ के उप प्रांताध्यक्ष अनशिला बैंस ने बताया कि 13 जून से 15 जून तक रोजाना सुबह 10 बजे से लेकर एक बजे तक काम को बंद किया जाएगा। अगर जल्द ही मांग को पूरी नहीं किया जाएगा तो संघ को अनिश्चितकालीन हड़ताल करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

संघ के सदस्यों ने यह भी बताया कि डिमरापाल में निरंतर स्टाफ की कमी एक बड़ा रूप ले चुकी है। जिसकी वजह से स्टाफ नर्स को अपनी क्षमता से अधिक काम करना पड़ रहा है। जिसकी वजह से शारीरिक व मानसिक रूप से ग्रसित हो रहे हैं। इसके अलावा देखा जाए तो स्टाफ की कमी को लेकर कई बार अधिकारियों के पास मामले की जानकारी देने के बाद भी कोई भी परिणाम सामने नहीं आया है।

कुछ स्टाफ नर्स ने नाम न छापने की शर्त में बताया कि हमारे यहां एकता की कमी है, जिसके कारण कोई भी खुलकर विरोध नहीं कर पाता है, अगर आधे से ज्यादा लोग हड़ताल करते भी हैं तो बाकी के लोग अपने वार्ड में ड्यूटी करते नजर भी आते हैं।

स्टाफ नर्स ने यह भी बताया कि वार्ड में ज्यादा स्टाफ होने के कारण महीने में एक बार नाइट ड्यूटी लगाई जाती थी, लेकिन लगातार स्टाफ नर्स के तबादले, नियमित होने व अन्य कारणों के चलते कई

स्टाफ कम हो गए हैं। जिसके कारण अकेले की ही ड्यूटी लगाई जाती है।

स्टाफ नर्स की सबसे बड़ी समस्या यह है कि एक वार्ड में बिस्तर भले ही 30 रहते हैं, लेकिन वहां पर क्षमता से अधिक मरीजों को भर्ती किया जाता है। ऐसे में अकेले स्टाफ नर्स को डॉक्टर को राउंड कराने से लेकर मरीजों को इंजेक्शन, से लेकर अन्य इलाजों के लिए अकेले ही देखना पड़ता है।

बताया जा रहा है की इस मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में देखा जाए तो 100 से अधिक नियमित स्टाफ नर्स कार्यरत हैं। लेकिन हक की लड़ाई में इसमें भी संख्या में कमी देखने को मिलने वाली है। जिसके कारण अधिकारी तक इनकी आवाज नहीं पहुंच पाने व वार्ड में समस्या नहीं हो पाने के कारण इनके अधिकारों के ऊपर अधिकारी ध्यान नहीं दे पाते हैं।

मेडिकल कालेज डिमरापाल 2018 में शुरू किया गया था। उस समय भाजपा का शासन काल चल रहा था। उस समय से लेकर अब कांग्रेस के शासन काल तक जब भी मुख्यमंत्री से लेकर अन्य मंत्री बस्तर दौरे पर आए हैं। तब तक स्टाफ नर्स की भर्ती को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया, इस बदले उन्हें आश्वाशन तो मिला लेकिन स्टाफ की पूर्ति आज तक नहीं हो पाई है। जिसके कारण लगातार स्टाफ नर्स बढ़ते कार्य के लगातार बीमार हो रहे है।

कांग्रेस में बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती को लेकर हुई चर्चा

■ **कांग्रेस के अमलीडीह जोन में कार्यकर्ता सम्मेलन**

धमतरी। विधानसभा धमतरी के अंतर्गत कांग्रेस के अमलीडीह जोन में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया जहां अर्जुनी, खपरी, भानपुरी, तरसिंवा, रांवा, भोथीपार, कुर्रा, मड़ाईभाठा, अमलीडीह, मोखा, बगतराई के कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए यह बैठक ग्राम भोथीपार में आयोजित हुई जहां विशेष रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरद लोहाना, दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष मोहन लालवानी, कृषि उपज मंडी के अध्यक्ष ओंकार साहू, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष घनश्याम साहू, पूर्व जनपद अध्यक्ष गुंजा साहू उपस्थित रहे. बैठक में सर्वप्रथम अमलीडीह जोन कांग्रेस संगठन की मजबूती के विभिन्न पहलुओ पर विचार विमर्श करते हुए अमलीडीह जोन कांग्रेस कमेटी का पुनर्गठन हुआ जिसमें नीलमणि साहू को जोन अध्यक्ष बनाया गया. इसी प्रकार तरसिंवा सेक्टर अध्यक्ष नरसिंग साहू और भानपुरी सेक्टर अध्यक्ष शत्रुघन साहू को सर्वसम्मति से नियुक्त

किया गया। पूर्व में जोन एवं तरसिंवा सेक्टर अध्यक्ष परमेश्वर गिरी गोस्वामी व भानपुरी सेक्टर अध्यक्ष पुनीत राम साहू थे. सेक्टर जोन पुनर्गठन की प्रक्रिया के पश्चात 19 बूथ कांग्रेस कमेटी का समीक्षा किया गया जहां आवश्यकतानुसार बूथ में कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरद लोहाना ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहां की सरकार की योजनाओं और उनके जनकल्याणकारी कार्यो को जन जन तक पहुंचाने में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है इसीलिए हम सभी का पहला दायित्व है कि हम अपने बूथ कमेटी को मजबूत करें बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का ही मेहनत है कि आज 15 साल के बाद छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल जी की कांग्रेस सरकार है. विधानसभा में 75 सीट से अधिक कि लक्ष्य को हासिल करने के साथ-साथ धमतरी विधानसभा में विजय प्राप्त करने में बूथ अध्यक्षों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष मोहन लालवानी ने कहा कि धमतरी विधानसभा में ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने हमेशा से ही कांग्रेस को मजबूती प्रदान की है आगामी विधानसभा चुनाव में आप सभी के मेहनत और लगन से धमतरी विधानसभा की सीट जीतकर प्रदेश में पुनः कांग्रेस की सरकार बनाने हम सभी कार्यकर्ता सहयोग करेंगे। ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष घनश्याम साहू ने किसानों एवं ग्रामीण अंचल के लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को किसानों को कांग्रेस पार्टी में जोड़ने अपील किया गया। कार्यक्रम का आभार जोन कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नीलमणि साहू एवं संचालन पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष गुरु गोपाल गोस्वामी के द्वारा किया।

रामकृष्ण केयर हास्पिटल रायपुर की ओपीडी अब भिलाई में भी

■ **मल्टीस्पेशालिटी भिलाई सिटी क्लीनिक में आज से शुरुआत**

भिलाई। रामकृष्ण केयर हास्पिटल रायपुर की ओपीडी जैसी नियमित सेवाएं अब रामकृष्ण केयर हास्पिटल ओर से भिलाई के मल्टीस्पेशालिटी भिलाई सिटी क्लीनिक में 11 जून, रविवार से प्रारंभ हो रही है। सी-70,नंदिनी रोड,जैन मेडिकल और सर्जिकल के पास,पावर हाउस,भिलाई में विधिवत शुभारंभ रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के मैनजिंग व मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे करेंगे।

मल्टीस्पेशालिटी भिलाई सिटी क्लीनिक में विशेषज्ञ डॉक्टर्स संदीप पांडे,डीएम गेस्ट्रोइंट्रोलाजी,डॉ.देबा दुलाल बिस्वाल, मेडिकल आकोलाजी, डॉ.गिरीश अग्रवाल, पलमोनोलाजिस्ट, डॉ सुमन नाग, एमएस आर्थो, आर्थोस्कोपी एंड स्पोर्ट्स इंजुरी, डॉ.प्रणय अनिल जैन, डीएम कार्डियोलाजी, डॉ.जावेद परवेज, डीएम कार्डियोलाजी,डॉ.राहुल पाठक,डीएम न्यूरोलाजी, डॉ.अंकुर सिंघल, एमएस आर्थो, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, डॉ.बबलेश महावर, पेन एंड पेलेटिव केयर, डॉ.उज्जवला वर्मा, एमडी (डीवीएल) हरमेटोलाजिस्ट व डॉ. नमन जैन रूमेटोलाजिस्ट जांच व परामर्श हेतु सप्ताह में अलग-अलग दिन उपलब्ध रहेंगे। पंजीयन के लिए 9685455735 9755595859 पर संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे मध्यभारत में विश्वस्तरीय चिकित्सा व सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधाओं के लिये प्रतिष्ठित रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल की चिकित्सकीय सेवाएं लगातार विस्तारित की जा रही हैं। हृदय रोग, किडनी, लिवर, मस्तिष्क संबंधी जटिल से जटिल रोगों के मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज, यहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों व कुशल अनुभवी स्टाफ के द्वारा होता है। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे हैं।

कांग्रेस नेता पीला राम नेताम समेत 300 से अधिक लोगों ने भाजपा प्रवेश किया

■ **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव लाभार्थी सम्मेलन में नगरी पहुंचे**

नगरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल कार्यकाल 9 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा पूरे प्रदेश में महाजनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है जिसको लेकर शुक्रवार को नगरी के गाँधी चौक (राजबाड़ा) में सिहावा विधानसभा के केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ लेने वाले विशाल लाभार्थी सम्मेलन को सम्बोधित करने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव नगरी पहुंचे। नगरी पहुंचने पर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकालकर प्रदेश अध्यक्ष श्री साव नगर प्रवेश करवाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री साव ने कहा कि मोदी सरकार बनाएगी सभी गरीबों के लिए पक्का मकान,गरीब को इलाज के लिए घर का बर्तन जेवर, बेचना नहीं पड़ेगा। भाजपा गांव, गरीब,किसानों के लिए समर्पित पार्टी है नरेंद्र मोदी सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि बेटियों, महतारिओं को रात को घर से बाहर ना निकल ना पड़े,इसलिए घर-घर शौचालय बनाया गया। लकड़ी चूल्हा जलाने से होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए मुक्त रसोई गैस दिया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत प्रत्येक किसान को 6000 रू दे रहे। गरीबों के बैंक खाते खोले गए। आयुष्मान कार्ड योजना के तहत पांच लाख तक के स्वास्थ्य लाभ प्रदान किए जा रहे हैं । प्रधानमंत्री आवास योजना। करोना काल में टीकाकरण के अलावा, प्रत्येक व्यक्ति को 5 किलो चावल मुक्त दिया गया। आज विभिन्न योजनाओं से छत्तीसगढ़ के आम लोगों को लाभ पहुंचा रही है जिसमें प्रमुख रुप से आवास योजना जिसमें हर गरीब को पक्की मकान मिले मगर छत्तीसगढ़ की भूपेश की कांग्रेस सरकार आवास योजना को छत्तीसगढ़ में बंद कर गरीबों का हक छीनने का काम किया केंद्र सरकार की योजनाओं का पैसा को भूपेश बघेल नरवा घुरवा बाड़ी में लगाकर गौठान के आड़ में बहुत बड़ा भ्रष्टाचार का खेल खेल रहा है जिसको छत्तीसगढ़ वासी और सिहावा विधानसभा के मतदाता समझ गए आने वाले चंद महीनों में चुनाव होंगे जिसमें कांग्रेस को मतदाता सबक सिखाएगी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता पीला राम नेताम सहित 300 से अधिक लोगों ने भाजपा प्रवेश किया।

इस दौरान मंच पर कांकेर लोकसभा के सांसद मोहन मंडावी, पूर्व केबिनेट मंत्री चन्द्रशेखर साहू, जिला प्रभारी नीलू शर्मा, विधानसभा प्रभारी कमल चंद्र भंजदेव, जिला अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार, राष्ट्रीय मंत्री किसान मोर्चा पिंकी शिवराज शाह, पूर्व विधायक श्रवण मरकाम, हलधर साहू कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री प्रकाश बैस ने किया।

प्रेमलता नागवंशी के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव का भव्य स्वागत

बोरई पहुँचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव व बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव का भव्य स्वागत सत्कार भाजपा जिला मंत्री एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता नागवंशी के नेतृत्व में किया गया। बता दे कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव सड़क मार्ग से बस्तर से सिहावा के प्रवेश द्वार बोरई होते हुए नगरी राजाबाड़ा में 9 साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण कार्यक्रम के तहत लाभार्थी सम्मेलन में शामिल होने जा रहे थे। वहीं कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कार्यकर्ताओं को उद्बोधन भी दिया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के साथ बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव, जिला सह प्रभारी हलधर साहू, राष्ट्रीय मंत्री पिंकी शाह, पूर्व विधायक श्रवण मरकाम, जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, मंडल अध्यक्ष अकबर कश्यप, मंडल महामंत्री मनोहर मनिकपुरी, जनपद उपाध्यक्ष हुमित लिमजा, यामिनी ध्रुव, शेखर आडिल, तुलसी राम यादव, मिश्रीलाल नेताम, सोपसिंह साहू, सोप सिंह नेताम, पदुम जैन, गोरखनाथ साहू, संतोष साहू, संतोष जैन, दुर्योधन नेताम, शत्रुघन नेताम, छोटेलाल सलाम, शत्रुघन नागवंशी, पदुम निर्मलकर, सीता साहू, अमरोतीन नागवंशी, पुष्पा नेताम, पदुम भंसाली, बेनीराम सेन, भूनेश्वरी, लोकेश सूर्यवंशी, रामचरण यादव, नीला बाई ध्रुव व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार कर रही किसानों को 4 गुना भुगतान-साव

कांग्रेस ने जितना एमएसपी बढ़ाया उतना ही खाद का मूल्य भी बढ़ाया किसानों को लाभ मिलने नहीं दिया

रायपुर। भाजपा जिला कार्यालय एकात्म परिसर में आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। श्री अरुण साव ने कहा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने धान समेत सभी कृषि उपज के मूल्य में पर्याप्त वृद्धि कर अन्नदाताओं का सम्मान किया है। हम इस मूल्य वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी जी और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी का अभिनंदन करते हैं। धान के समर्थन मूल्य में 143 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि कर इसे अब 2.183 रुपया कर दिया गया है। मोदी जी की सरकार द्वारा की गयी यह वृद्धि मनमोहन सरकार के कार्यकाल के 1310 रुपए की तुलना में करीब 67 प्रतिशत अधिक है। यहीं मूंग दाल के समर्थन मूल्य में 803 रुपए, मूंगफली में 527 रुपए, मोटे अनाज ज्यार में 210, बाजरा में 150, रागी में 268 रुपए, मक्का में 128 रुपए, अरहर दाल में 400 रुपए, उड़द दाल में 350 रुपए, सोयाबीन में 300 रुपए की वृद्धि की गई है। छत्तीसगढ़ के किसानों को धान के बढ़े समर्थन मूल्य का लाभ तो मिलेगा ही, साथ ही मोटे अनाज की कीमतों में भारी वृद्धि कर भी प्रदेश के किसानों के हित में कल्याणकारी कदम उठाया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने हमेशा किसानों की वित्तीय स्थिति मं सुधार पर ध्यान केंद्रित किया है। मोदी जी की सरकार ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय खाय सुरक्षा मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी कई योजनाएं प्रारम्भ की जिससे किसानों को उनकी मेहनत और परिश्रम का उचित मूल्य प्राप्त हो और देश का किसान और सशक्त बने।

भाजपा सरकार ने न सिर्फ एम.एस.पी. बढ़ाई बल्कि जन धन खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के साथ यह भी सुनिश्चित किया की बढ़ी हुई एम.एस.पी का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचे मोदी जी ने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों का एक-एक पैसा उन तक पहुंचे।

श्री साव ने कहा एनडीए सरकार ने एम. एस. पी के अंतर्गत हमारे किसानों की धान उपज लागत पर मार्जिन डेढ़ गुना बढ़ा दिया है। मोदी सरकार ने पिछले 9 वर्षों में एम.एस.पी में

873 रुपये की वृद्धि की है। भाजपा सरकार द्वारा की गयी मौजूदा एम.एस.पी बढ़ोतरी ने भारतीय किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करते हुए उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया है।.

मोदी जी की सरकार में देश का कृषि बजट 5 गुना बढ़ कर 1.25 लाख करोड़ हुआ। आज देश में रिकॉर्ड 320 मिलियन टन अनाज उत्पादन हो रहा है। समर्थन मूल्य पर कृषि उत्पाद खरीदी का भी रिकॉर्ड देश ने बनाया है। ध्यान देने की बात है कि छत्तीसगढ़ के भूपेश सरकार के झूठे दावों के उलट प्रदेश का दाना दाना धान मोदी जी की सरकार ही खरीद रही है. इस मद में पिछले चार वर्षों में 65 हजार करोड़ रुपए से अधिक केंद्र सरकार ने दिया है, वहीं कथित न्याय योजना के नाम पर अनेक फिरतो में केवल 11-12 हजार करोड़ देकर ही भूपेश सरकार ऐसी डींगे हांक रही है, मानो उसी ने सारी खरीदी की है। यहां एक बात विशेष तौर पर स्मरण रखने की है कि छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का जो ढांचा दिख रहा है. वह भाजपा सरकार का ही बड़ा किया है। देश भर में छत्तीसगढ़ की सरकार ऐसी पहली सरकार थी जिसने धान खरीदी को ऑनलाइन प्रणाली से जोड़ा और एक पारदर्शी व्यवस्था के तहत किसानों के खाते में सीधे धान का समर्थन मूल्य देते हुए, बिक्री योग्य दाना दाना धान खरीदने की व्यवस्था लागू की। इससे पहले कांग्रेस की सरकारों में धान बेचना वास्तव में एक दुरूह कार्य था.

श्री साव ने कहा आपको स्मरण होगा कि तब धान खरीदी भ्रष्टाचार का अड्डा हुआ करता था। कांग्रेस की सरकार पानी में भिगो डुबो कर धान को बर्बाद करती थी। ऐसा करने के बावजूद बमुश्किल 5-6 लाख मिट्रिक टन धान खरीद पाती थी तब की कांग्रेस सरकार, जबकि 2018 तक धान खरीदी बढ़ कर करीब 85 लाख मिट्रिक टन तक हो गया था। यह सारी व्यवस्था भाजपा सरकार की देन है। कांग्रेस भी भाजपा के किए कार्यों को ही अपना बता कर गाल बजा रही है। इस सत्र में भी मोदी जी की सरकार ने 61 लाख टन चावल केंद्रीय पूल में खरीदा है जिसमें 90 लाख मिट्रिक टन से भी अधिक धान का उपयोग हुआ है।

धान खरीदी के अलावा खाद पर भी मोदी जी की सरकार 1.08 करोड़ रुपए से अधिक की सब्सिडी दे रही है। रूस यूक्रेन युद्ध के कारण रासायनिक खाद की कीमत दो गुना से भी अधिक बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दुगना से अधिक दाम हो जाने के बावजूद भी मोदी जी ने यह भार देश के किसानों पर पर नहीं पड़ने दिया। तब केवल डीएपी पर सब्सिडी 700 से बढ़ा कर मोदी जी ने 1200 सब्सिडी कर दिया था। सरकार यूरिया के लिए 70 हजार करोड़ तो अन्य उर्वरकों के लिए 38 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी दे रही है। फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों पर भी सब्सिडी दिए जाएंगे। नाइट्रोजन पर 76 रुपए प्रति किलोग्राम, सल्फर पर 2.8 रुपए प्रति किलोग्राम, फास्फोरस पर 41 रुपए प्रति किलोग्राम और पोटाश पर 15 रुपए प्रति किलोग्राम सब्सिडी दिया जा रहा है।

श्री साव ने कहा केवल छत्तीसगढ़ में 4 लाख मेट्रिक टन से अधिक यूरिया खाद की आपूर्ति केंद्र सरकर ने इस वर्ष किया है। जबकि भूपेश सरकार लगातार न केवल खाद की कालाबाजारी को बढ़ावा दे रही है बल्कि मिट्टी-गिट्टी को महंगी कीमत पर वर्मी कम्पोस्ट कह कर बेचने की धोखाधड़ी भी किसानों से कर रही है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के 40 लाख से अधिक किसानों के खाते में 1800 करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान केंद्र सरकार ने किया है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को ऑनलाइन प्रणाली से जोड़ा था। आईटी का उपयोग किया।धान खरीदी कांग्रेस की तबकी सरकार 5 लाख टन के मुकाबले 85 लाख मीट्रिक टन तक किया। मुफ्त कृषि ऋण 14 प्रतिशत से शून्य प्रतिशत किया। बिना ब्याज के कर्ज 4.5 लाख किसानों को दिया था।

आदिवासी समाज में खत्म हो रही है सहकारिता की भावनाः मिंज

रायपुर। भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आज़ादी के 75 वर्ष और जनजातीय पारंपरिक संस्कृति का संरक्षण एवं विघटन की स्थिति के तीसरे दिन समापन समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सर्जियस मिंज ने कहा कि मानव के साथ मानव का संबंध ही संस्कृति है। आज भी आदिवासी समुदाय के लोग सहज, सरल और सहृदय है। उनमें सहकारिता की भावना है जिसके कारण वे किसी भी कार्य को सामूहिक रूप से करते हैं, लेकिन हमारा समाज आज सामूहिकता से व्यक्तिवादिता की ओर बढ़ रहा है। यह बदलाव आदिवासी समुदाय में भी देखने को मिल रहा है। बाहरी संस्कृति के प्रभाव में उनमें सहकारिता की भावना खत्म हो रही है, इसे कैसे बनाए रखे यह एक महत्वपूर्ण चुनौती है। किसी भी समुदाय के ज्ञान को कमतर नहीं आकना चाहिए। आईक्यू अभ्यास से जुड़ा हुआ है, इसका संबंध जाति, समुदाय, धर्म विशेष से नहीं है। आज राज्य और देश के नीतियों में विकास की बात की जाती है, लेकिन जिसका विकास होना है उसके पहचान की बात नहीं की जाती है। जबकि वास्तव में उस व्यक्ति को समझना होगा कि वह कौन है। आदिवासियों को उनकी पहचान देने की ज़िम्मेदारी समाज वैज्ञानिकों की है ताकि उनके विकास को सही दिशा दिया जा सके। आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाना है और उनकी विशेषताओं को बनाए रखते हुए यह बड़ी चुनौती है।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई से आए विशिष्ट अतिथि प्रो. विपिन जोजो ने कहा कि एक खास नजरिए के कारण आदिवासियों को बर्बर, असभ्य, अशिक्षित, पिछड़े हुए के रूप में देखा जाता है। ये औपनिवेशिक नजरिया रहा है। संगोष्ठी में आदिवासियों के विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई है। विकास के पैमाने के हिसाब से देखें तो भारत का सबसे विकसित राज्य का आदिवासी अपनी पहचान खो चुका है। हमें विकास को देखने के नजरिए में बदलाव लाने की जरूरत है। अगर देश, दुनिया और सम्पूर्ण मानवता को बचाना है तो आसिवासियों से सीखने की जरूरत है। वैश्विक स्तर पर विकास के नए फ्रेम वर्क में आदिवासी नजरिए को शामिल करना होगा।

गरीबों के साथ हो रहा अन्यायः कुलस्ते

अंबिकापुर। अंबिकापुर में केंद्रीय इस्पात एवं पंचायत व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए चलाई जा रही केंद्रीय योजनाओं का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ में तेजी से नहीं हो पा रहा है। छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार के साढ़े चार साल के कार्यकाल में एक भी ऐसी योजना बता दें जो उल्लेखनीय रही हो। कुलस्ते ने कहा कि वे भूपेश सरकार के साढ़े चार साल के कार्यकाल को 10 में से 2 या 3 से ज्यादा अंक नहीं देंगे। अगले विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनेगी।

मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा

द्वारा उपलब्धियां गिनाने के कार्यक्रम के तहत अंबिकापुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन, पीएम आवास जैसी योजनाओं का दुर्भाग्य से छत्तीसगढ़ में क्रियान्वयन बहुत की धीमी गति से हो रहा है। पीएम आवास योजना में राज्य सरकार को थोड़ी हिस्सेदारी देनी होती है, जिसमें देरी की जा रही है। जिनके पास अपनी जमीन नहीं है, उन्हें स्वामित्व योजना के तहत जमीन देना है, इसमें छत्तीसगढ़ में काम नहीं हो रहा है। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को पानी की सुविधा देने करोड़ों रुपये का फंड दिया गया है, जिसका क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ में बहुत ही धीमी गति से हो रहा है। फग्गन सिंह ने कहा कि गरीबों के साथ कांग्रेस सरकार अन्याय न करे। भूपेश सरकार में कार्य करने की इच्छाशक्ति नहीं है।

केंद्रीय मंत्री कुलस्ते ने कहा कि छत्तीसगढ़ को 10 मेडिकल कालेज दिए गए हैं। इनका भी काम प्रदेश सरकार नहीं करा पा रही है। हमने एमबीबीएस के साथ पीजी की सीटें बढ़ाई हैं, ताकि भविष्य में चिकित्सकों की कमी को दूर किया जा सके।

11 जून से 14 जून तक विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों के प्रवास पर रहेंगे ओम माथुर

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रभारी श्री माथुर कल 11 जून को रायपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर ग्रामीण विधानसभा में महासम्पर्क अभियान में शामिल होंगे। इसके बाद धरसींवा विधानसभा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ उनकी टिफिन बैठक होगी। श्री माथुर इसके बाद भाटापारा में आमसभा लेंगे और बलौदाबाजार पहुंचकर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।भाजपा प्रदेश प्रभारी श्री माथुर 12 जून को महासमुंद लोकसभा के धमतरी विधानसभा पहुँचेंगे और धमतरी के पुरानी मंडी में लाभार्थी सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे। इसके बाद राजिम में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में मार्गदर्शन करेंगे। राजिम कार्यक्रम के बाद वे महासमुंद पहुंचकर जनसभा को संबोधित करेंगे।भाजपा प्रदेश प्रभारी श्री माथुर 13 जून को राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। राजनांदगांव में एनएच 53 पर सीआरसी बिल्डिंग का अवलोकन करने के बाद जिला भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता करेंगे और बाद में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक करेंगे। यहां से प्रस्थान कर श्री माथुर मोहला के लाभार्थी सम्मेलन में शामिल होंगे। इसी दिन डोंगरगांव में होने वाली लोकसभास्तरीय आमसभा को संबोधित करेंगे।श्री माथुर 14 जून को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक लेंगे।

मौसम बदल रहा है, सीट बेल्ट बांधकर रखें, इस बार कांग्रेस साफ हो रहीः डॉ. रमन

कबीरधाम। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने शनिवार को कवर्धा में आयोजित चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन के समापन के अवसर पर पहुंचे। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ,नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, दुर्ग सांसद विजय बघेल भी आए थे। इस दौरान रमन ने कहा कि मौसम बदल रहा है, सीट बेल्ट बांधकर रखें।सभी को संबोधित करते हुए रमन ने कहा कि चंद्रनाहू कुर्मी समाज सरदार वल्लभ भाई पटेल के वंशज हैं और देशभर में कुर्मी समाज निवासरत है। यह ,समाज पूर्ण रूप से कृषक है और मेहनतकश समाज है। रमन सिंह ने कहा की मौसम बदल रहा है,

मैं यहां खुलकर नहीं बोलूंगा, यह सामाजिक मंच है इसलिए इशारों में बोल रहा हूं। मौसम बदल रहा है। आने वाला समय परिवर्तन का समय है और कुर्मी समाज हाथ की रेखाओं पर भरोसा नहीं करता है। मेहनतकश समाज है।

उधर, पत्रकारों से चर्चा करते हुए रमन ने कहा कांग्रेस इस बार साफ हो जाएगी। हिंदुस्तान में इतना बड़ा घोटाला कहीं नहीं हुआ, जो छत्तीसगढ़ में हुआ है। 2 हजार करोड़ का शराब घोटाला हुआ, 6 00 करोड़ का चावल घोटाला हुआ। रेत घोटाला और न जाने कितने घोटाले और सामने आएंगे। छत्तीसगढ़ की जनता को नरवा, गरुवा, घुरवा, बाड़ी में उलझा रखा है। विकास कोसों दूर है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

केन्द्रीय मंत्री को बर्खास्त करें पीएम मोदीः मरकाम

रायपुर। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को भारत का सपूत बताने को कांग्रेस शर्मनाक बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि राष्ट्रपिता के हत्यारे को भारत का सपूत बोलना सिर्फ राष्ट्रपिता का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का अपमान है। यह पहला मौका नहीं है, इससे पहले

भी कई बार भाजपा नेता महात्मा गांधी का अपमान कर चुके हैं।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि महात्मा गांधी के अपमान पर प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि सबसे शर्मनाक बात यह है कि जो प्रधानमंत्री देश और विदेश में गांधी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रवचन देते हैं, वो भाजपा नेताओं द्वारा किए जा रहे गांधी जी के अपमान पर खामोश रहते हैं। वह विदेशों में जाकर बापू की प्रतिमा पर फूल चढ़ाते हैं, लेकिन जब देश में उनके ही सांसद, पूर्व मंत्री और नेता गांधी जी का अपमान करते हैं तब वह चुप रहते हैं। जब प्रधानमंत्री से इस बाबत सवाल पूछा गया तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा था कि मैं कभी दिल से उन्हें माफ नहीं करूंगा। सोचिए, राष्ट्रपिता गांधी जी ने आज़ादी की लड़ाई के दौरान सभी धर्मों और जातियों को एक करने का काम किया उसके लिए जातिसूचक शब्द के इस्तेमाल से बड़ा अपमान क्या हो सकता है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी हैं।

गांधी के विचारों की कांग्रेस रोज़ हत्या कर रही हैः मूणत

रायपुर। पूर्व मंत्री ,भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने कांग्रेस के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा, नाथूराम गोडसे द्वारा महात्मा गांधी की हत्या की गई, जिसकी सजा भी गोडसे को मिली। लेकिन, गांधी के विचारों की कांग्रेस रोज़ हत्या कर रही है, उसकी सजा कौन देगा? गांधीजी ने रामराज्य की परिकल्पना की थी,कांग्रेस ने भगवान श्री राम के

अस्तित्व से भी इनकार किया। क्या यह गांधी की हत्या नहीं है? गांधीजी ने %कांग्रेस को एक राजनीतिक दल के रूप में खत्म हो जाना चाहिए, ऐसा विचार व्यक्त किया था। 30 जनवरी, 1948 को वे यह प्रस्ताव कांग्रेस की कार्यसमिति में रखने वाले थे। लेकिन, उसी सुबह उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या हो गई। आज कांग्रेस का अस्तित्व में रहना ही महात्मा गांधीजी के विचार की हत्या है। गांधीजी की हत्या के बाद महाराष्ट्र के चितपावन हिंदुओं का उसी तरह संहार किया गया, जैसा इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिखों का नरसंहार किया गया। क्या यह गांधी के अहिंसा वाले विचार की हत्या नहीं है? इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के नेताओं द्वारा क़त्ल-ए-आम मचाना क्या गांधी के विचार की हत्या नहीं थी? गांधीजी ने भारत में लोकतंत्र स्थापित करने अपना जीवन बलिदान कर दिया। क्या इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाकर लोकतंत्र को खत्म कर देना गांधी की हत्या नहीं थी? राजीव गांधी ने सिखों के नरसंहार का समर्थन करते हुए उसे बड़े पेड़ के गिरने पर धरती का हिलना बताया था।

भाजपा शासनकाल में लगभग 80 हजार परिवार ने धर्म परिवर्तन किया थाः कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने धर्म परिवर्तन के नाम से ओछी राजनीति कर रहे भाजपा नेताओं को आईना दिखाया उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन के नाम से राजनीति करने वाले भाजपा नेताओं को भारत के रजिस्टार

जनरल और जनगणना आयुक्त कार्यालय के डाटा का अवलोकन और आकलन करना चाहिए 2003 से 2011 के बीच में प्रदेश में धर्मांतरित लोगो की जनसंख्या में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। लगभग 80 हजार परिवार ने धर्म परिवर्तन किया है। 2011 के बाद जनगणना नहीं होने के चलते रमन सरकार के दौरान और कितने परिवार ने धर्म परिवर्तन किया है उसके आंकड़े सामने नहीं आ पाए हैं। मोदी सरकार समय पर जनगणना कराती तो 2011 से लेकर 2018 तक प्रदेश में कितने लोगों ने धर्म परिवर्तन किया है यह स्पष्ट हो जायेगा।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन भाजपा सरकार के संरक्षण में धर्म परिवर्तन कराने वाले सक्रिय थे। उस दौरान पांचवी अनुसूची क्षेत्रों में बहुतायात मात्रा में चर्च का निर्माण हुआ है और भाजपा के कद्दावर नेता स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव रमन सरकार के दौरान ही घर वापसी अभियान चलाते थे।

देर शाम तक बदल सकता है मौसम का मिजाज

रायपुर। राज्य में आज देर शाम तक एक-दो स्थानों पर तेज आंधी-तूफान चलने तथा वज्रपात के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। वहीं रायपुर में भी आकाशीय बिजली गिरने एवं आंधी चलने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग के नियमित रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी बिहार और आस-पास के क्षेत्रों पर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और इस चक्रवाती क्षेत्र से एक ट्रफ बनी हुई जो कि समुद्र तल से 0.9

किमी की ऊंचाई पर स्थित है। वहीं दूसरी ओर दक्षिण पश्चिम मानसून अब आगे बढ़ते हुए मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों के साथ ही अन्य हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मानसून फिलहाल केरल, कर्नाटक के कुछ हिस्से, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम के कुछ और हिस्से, पूर्व-मध्य के पूरे हिस्से, बंगाल की खाड़ी, उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग के साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों की ओर आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आज देर शाम तक राजधानी रायपुर सहित आसपास के कुछ इलाकों में तेज आंधी चलने, वज्रपात होने तथा जोरदार बौछारें पड़ने की संभावना है। इधर आज सुबह से ही आसमान में बादलों की लुकाछुपी जारी थी। दोपहर बाद आसमान कुछ साफ हुआ, लेकिन इसके बाद फिर से उमड़े बादलों ने तेज धूप को कम कर दिया। इसके चलते आज दिन उमस भरा रहा। मौसम विभाग ने जल्द ही प्री-मानसून की बौछारें पड़ने की संभावना जताई है।

बस्तर लोस के इन्फ्लुएंसर्स से रूबरू हुए केन्द्रीय मंत्री

जगदलपुर। मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सफल नववर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर बस्तर प्रवास में आए भाजपा के वरिष्ठ नेता और माननीय केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा स्तरीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स मीट के माध्यम से सोशल मीडिया में सक्रिय लोगों से चर्चा की। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कार्यकर्ताओं को आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने को कहा. उन्होंने कहा कि पहले अमेरिका में हमारे देश के प्रधानमंत्री के आने पर प्रतिबंध लगाया गया था.पर आज सोशल मीडिया में उनकी लोकप्रियता को लेकर वहां के राष्ट्रपति हमारे प्रधानमंत्री के नाम पर चुनाव लड़ते है। विगत 9 वर्षों में केंद्र की मोदी सरकार ने जिस प्रकार भारत के सामर्थ्य को पहचाना और अपने कुशल नीतियों एवं नेतृत्व से विश्व को एक नए भारत से रूबरू कराया। केन्द्रीय मंत्री ने वन टू वन चर्चा करते हुए कहा की आज सोशल मीडिया इतना प्रभावी हो गया है की संचार का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है, हमें भी संचार के इस माध्यम का सतत उपयोग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किये गए विकास कार्यों, हर वर्ग के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं को जनता तक पहुँचाने एवं 9 वर्षों में भारत ने जो अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की है उसे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए सोशल मीडिया सबसे अच्छा माध्यम है।

हौसलों की उड़ान को पंख- टॉपर्स छात्रों ने आसमान से की रायपुर की सैर

रायपुर। मन में यदि हौसलों की उड़ान हो तो सपनों को पंख जरूर लग जाते हैं। कुछ ऐसा ही देखने को मिला छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल सत्र 2023 के 10वीं और 12वीं के के टॉपर्स छात्रों के साथ। 10 और 12 वीं के टॉपर बच्चों ने रायपुर स्थित पुलिस ग्राउंड में हेलीकॉप्टर जॉयराइड का आनंद लिया। उत्साहित बच्चों के लिए यह सफर काफी रोमांचकारी रहा। वर्ष 2023 की कक्षा दसवीं और बारहवीं की वार्षिक बोर्ड परीक्षा में मेरिट लिस्ट में जगह बनाने वाले 89 छात्रों ने राजधानी के पुलिस परेड ग्राउंड से जॉय राइड का आनंद लिया।

बच्चों ने साझा किए अनुभव

बातचीत में कोरबा जिले के विशेष पिछड़ी बिरहोर जनजाति के कक्षा 12वीं के छात्र सुकसम ने बताया कि मुख्यमंत्री की ये

पहल काफी अच्छी है। इससे हम जैसे और भी पिछड़े समुदाय से आने वाले लोगों को प्रावीण्य सूची में आने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। विजय इंग्लिश मीडियम स्कूल मनेन्द्रगढ़ की कक्षा 12 वीं की छात्रा प्रिया रोहरा ने हेलीकॉप्टर ज्यायराइड के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा छोटे से शहर से आकर यहां हेलीकॉप्टर में बैठना किसी सपने से कम नहीं है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की वर्ष 2023 की वार्षिक परीक्षा में कक्षा 10वीं में 49 और कक्षा 12वीं में 30 छात्र-छात्राओं ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार विशेष पिछड़ी जनजाति के अपने-अपने वर्ग में 10 वी पांच और 12 वी के पांच सहित कुल 10 बच्चों ने टॉप किया इन बच्चों को कराया गया। साल 2022 में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त 125 मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के वादे के अनुरूप हेलीकॉप्टर में जॉय राइडिंग कराई गई थी। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि हमारी कोशिश गांव-शहर के साथ ही वनांचलों के विद्यार्थियों को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने की है। इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में दूरस्थ अंचलों के बच्चों ने अच्छी सफलता पायी है। बच्चों में कुशाग्रता की कमी नही है। जरूरत उन्हें अवसर प्रदान करने की है। मुख्यमंत्री श्री बघेल आज स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2023 की वार्षिक परीक्षा में कक्षा 10वीं और 12वीं प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

हज़रत चांद शाह वली का सालाना उर्स पाक कुल की फातिहा के साथ हुआ सम्पन्न

■ कुल शरीफ की फातिहा में मांगी गई देश में अमन शांति की दुआ

रायपुर । हज़रत चांद शाह वली बाबा तीन मजार का सालाना उर्स पाक कुल की फातिहा के साथ ही सम्पन्न हो गया। तीन दिनों तक चले इस उर्स पाक में प्रदेश भर से आए अकीदतमंदों ने अपनी हाजरी दी। सभी समाज के लोगो ने उर्स के मौके पर अपनी अकीदते पेश की। इस दौरान अपनी श्रद्धा के अनुसार चादर शिरनी पेश की और दुवाएं खैर की। कुल की फातिहा के दौरान लोगो की खैर की दुवा खुदा से की गई। वहीं प्रदेश और मुल्क में अमन और शांति की दुवा की गई। उर्स के दौरान बच्चो ने कुरान शरीफ की तिलावते की वहीं बड़ों और बुजुर्गो ने दरुद ख्वानी पेश की। नयाल बंधुओ ने अपने सूफी कलाम के जरिए कव्वाली का समा बांधा। जिसमे देर रात

तक लोग झूमते रहे। उर्स पाक के दौरान बाबा के आस्ताने में जाइरीनो ने मेला लगा रखा था । वहीं लंगर का एहतेराम किया गया। तबारुक बाटे गए। बाबा के उर्स पाक के दौरान समा महफ़िल की रौनक रही। हज़रत चांद शाह वली का सालाना उर्स की आखरी कड़ी के तौर पर 11 जून को दरबार में हमेशा आने वाले जाइरीन लोगो की दस्तार बंदी की जाएगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.